छ.ग. राज्य विद्युत कम्पनी मर्या. की गृह पत्रिका

संकल्प

वर्ष-11 ▪ सितम्बर-अक्टूबर 2015

बेटी बचाओ
बेटी पढ़ाओ
बेटी पढ़ेगी
दुनिया गढ़ेगी

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

EYE ON DEVELOPMENT OF CHHATTISGARH

छ.ग. विद्युत कं. मर्या. की गृह पत्रिका

संकल्प

सितम्बर-अक्टूबर 2015 ▪ वर्ष-11

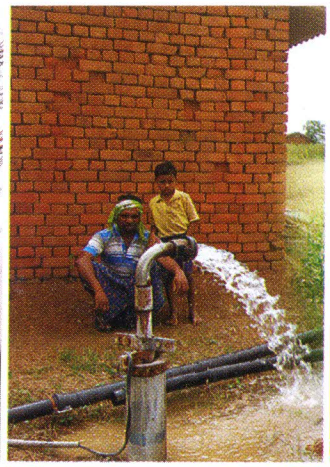

संरक्षक

- **श्री शिवराज सिंह**
  अध्यक्ष
- **श्री सुबोध सिंह**
  प्रबंध निदेशक (ट्रेडिंग कं. मर्या.)
- **श्री विजय सिंह**
  प्रबंध निदेशक (पारेषण कं. मर्या.)
- **श्री शशिभूषण अग्रवाल**
  प्रबंध निदेशक (उत्पा. कं. मर्या.)
- **श्री अनूप कुमार गर्ग**
  प्रबंध निदेशक (होल्डिंग कं. मर्या.)
- **श्री अंकित आनंद**
  प्रबंध निदेशक (वित. कं. मर्या.)
- **श्री शारदा सिंह**
  कार्यपालक निदेशक (मा.सं.)
- **श्री अजय श्रीवास्तव**
  अति. महाप्रबंधक (मा.सं.)

संपादक

- **विजय कुमार मिश्रा**
  उपमहाप्रबंधक (जनसंपर्क)

सहयोग

- **जाबिर मोहम्मद कुरैशी**

छायाकार

- **संजय टेम्बे**

पता :

संपादक : संकल्प
उपमहाप्रबंधक (जनसंपर्क)
छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत होल्डिंग कं. मर्या.
डंगनिया रायपुर, छत्तीसगढ़
e-mail : vijay.mishra361@gmail.com

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत कम्पनी मर्यादित

प्रदेश में विद्युत प्रगति का पटल

	नवंबर 2000	अक्टूबर 2015
ताप विद्युत क्षमता	1240 मेगावॉट	2286 मेगावॉट
जल विद्युत क्षमता	120 मेगावॉट	138.70 मेगावॉट
कुल ताप, जल विद्युत क्षमता	1360 मेगावॉट	2424.70 मेगावॉट
क्षमता वृद्धि	---	1064.70 मेगावॉट
अति उच्चदाब उपकेंद्रों की संख्या	27 नग	92 नग
अति उच्चदाब लाईनों की लंबाई	5205 सर्किट कि.मी.	11027 सर्किट कि.मी.
केपेसिटर स्थापित क्षमता	94 एमव्हीएआर	1075 एमव्हीएआर
33/11 के.व्ही. उपकेंद्रों की संख्या	248 नग	948 नग
33 के.व्ही. लाईनों की लंबाई	6988 सर्किट कि.मी.	18223 सर्किट कि.मी.
11/04 के.व्ही. उपकेंद्रों की संख्या	29692 नग	118120 नग
11 के.व्ही. लाईनों की लंबाई	40556 कि.मी.	88912 कि.मी.
निम्नदाब लाईनों की लंबाई	51314 कि.मी.	157373 कि.मी.
कुल आबाद ग्रामों की संख्या (जनगणना 2011 के अनुसार)	---	19567
विद्युतीकृत ग्रामों की संख्या	17108	18520
विद्युतीकरण का प्रतिशत	87.43	94.64
विद्युतीकृत मजराटोलो की संख्या	10375	25595
विद्युतीकृत पंपों की संख्या	73369	353366
एकलबत्ती कनेक्शन की संख्या	630389	1558659

संपादकीय

हिन्दी दिवस पर यह संकल्प लेना सही होगा कि आधुनिक संचार माध्यमों के यंत्रों का दुरूपयोग भाषा को विकृत करने के लिए नहीं होना चाहिये।

हिन्दी भाषा के उपयोग में बढ़ती यांत्रिकता ने हिन्दी शब्दों की गरिमा को गिराने के साथ-साथ उसे शुद्धता तथा व्याकरण से दूर कर दिया गया है। यह समाज के सभी वर्गों के लिए चिंतन-मनन का विषय है। भाषा को आधुनिक यंत्रों के हवाले कर शब्दों के काम चलाऊ अर्थ ढोने के लिए विवश कर दिया गया है।

14 सितम्बर को प्रतिवर्षानुसार एक बार फिर बड़े तामझाम के साथ हिन्दी दिवस का आयोजन किया गया। समाचार पत्रों से लेकर प्रचार-प्रसार के समस्त साधनों में हिन्दी की दशा-दिशा, भूत-भविष्य-वर्तमान पर विस्तारपूर्वक चर्चा हुई।

राष्ट्रस्तरीय चर्चा-गोष्ठी और विश्लेषण के दौरान यह बात उभरकर आई कि बदलते दौर में भाषा को आधुनिक संचार साधनों के हवाले करके एक बड़े खतरे को जाने अनजाने में आमंत्रित कर लिया गया है। हिन्दी भाषा के उपयोग में बढ़ती यांत्रिकता ने हिन्दी शब्दों की गरिमा को गिराने के साथ-साथ उसे शुद्धता तथा व्याकरण से दूर कर दिया गया है। यह समाज के सभी वर्गों के लिए चिंतन-मनन का विषय है। भाषा को आधुनिक यंत्रों के हवाले कर शब्दों के काम चलाऊ अर्थ ढोने के लिए एक बहुत बड़े आयु समूह को विवश कर दिया गया है।

यह सर्वविदित है कि जनमन के बीच सम्पर्क-संवाद स्थापित करने वाला एक जीवंत माध्यम भाषा ही है। बच्चा, बूढ़ा, अधिकारी-कर्मचारी नेता, अभिनेता के चेहरा से लेकर चित्त को उसके द्वारा प्रयुक्त की जाने वाली भाषा के माध्यम से बड़ी ही पारदर्शिता के साथ देखा परखा जा सकता है। ऐसी मूल्यवान निधि को चुकने देने के बजाय सतत सम्पन्नता की ओर ले जाने का प्रयास ही मानव समुदाय के विकास का आदिम आधार रहा है। विकास के इस शक्तिशाली आदिम आधार को बिना किसी ठोस कारण के ही किनारे लगाने जैसा कार्य करना विकास मार्ग पर अपने हाथों कांटे बोने जैसा ही कृत्य होगा।

आधुनिक संचार साधनों के उपयोगकर्ता वाक्यों को संक्षेप में कहने-लिखने के चक्कर में शब्दों के स्वरूप को बिगाड़ने में मशगूल हैं, इससे भाषा विकृत हो रही है। साथ ही नई पीढ़ी के लोग विकृत भाषा को ही अपनाकर प्रयोग करना आरंभ कर दिये है। इसका एक उदाहरण यह है- Good Morning You भगवान Se कहो, I Miss You पूर्वजों Se कहो, I Hate You रागद्वेष Se कहो, I Belive You परिवार Se कहो, I Trust You समाज Se कहो, I M Indian फक्र Se कहो. इससे लिखावट में भी गिरावट स्पष्ट दृष्टिगोचर हो रही है।

इतिहास साक्षी है कि देश, समाज, राजनीति, घर, स्कूल से लेकर समस्त छोटी-बड़ी इकाइयों में भाषा की मामूली सी गड़बड़ी पूरी प्रणाली को चौपट कर सकती है। इसीलिए व्यापक अनुभव सोच और दृष्टि के धनीजन एक-एक शब्द को तोल मोल कर लिखते बोलते हैं। एक सामान्य कर्मचारी और दीर्घ अनुभवी उच्चाधिकारी-कार्यपालक की कार्यशैली के बीच का अंतर बुनियादी तौर पर सटीक भाषा-शब्दों का इस्तेमाल ही होता है। कार्यशैली में क्लिष्टता से परे सहज-सरल-सटीक भाषा के शब्दों के प्रयोग को कार्यालयीन कार्यों में बढ़ावा देने की नितांत आवश्यकता सदैव रही है, क्योंकि इसका वास्ता वृहदजन से होता है, जिसमें आमजनों की बाहुलता होती है।

अतः हिन्दी दिवस पर यह संकल्प लेना सही होगा कि कामकाज और दैनिक दिनचर्या में अधिकाधिक हिन्दी भाषा का उपयोग करें। आधुनिक संचार माध्यमों के यंत्रों का दुरूपयोग भाषा को विकृत करने के लिए नहीं होने दें।

विजय मिश्रा

50 वर्ष पुराना पावर ट्रांसफार्मर मरम्मत उपरान्त पुनः चालू

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत पारेषण कंपनी के अभियंताओं ने सितम्बर 2015 में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। उन्होनें 50 साल पुराने तकनीक से निर्मित 125 एम.व्ही.ए. ट्रांसफार्मर को लगभग बारह दिनों के अथक प्रयास से सुधार कार्य कर ऊर्जीकृत किया। इस ट्रांसफार्मर में लगे पुराने उपकरणों को बदलना संभव नहीं था लेकिन अभियंताओं ने सुधारने में सफलता प्राप्त की। पारेषण कंपनी में प्रबंध निदेशक, श्री विजय सिंह ने बताया कि इस ट्रांसफार्मर का निर्माण जापान की कंपनी मित्सुबिषी कार्पोरेशन द्वारा 50 वर्ष पूर्व किया गया था। इस ट्रांसफॉर्मर की स्थापना वर्ष 1967 में 220 के.व्ही. उपकेन्द्र भिलाई में की गई थी। छत्तीसगढ़ राज्य में 220 के.व्ही. स्तर पर स्थापित यह प्रथम ट्रांसफार्मर है। जो स्थापना के समय से ही पिछले 50 वर्षो से लगातार सेवा देता रहा है। देश में इतने लंबे समय तक लगातार सेवारत इस तरह के उच्च क्षमता वाले ट्रांसफार्मरों की संख्या लगभग नगण्य है। 220 के.व्ही. अति उच्चदाब उपकेन्द्र भिलाई में स्थापित इस ट्रांसफार्मर में अचानक तकनीकी खराबी आ गई थी।

प्रबंध निदेशक श्री सिंह ने आगे बताया कि ट्रांसफार्मर में अचानक आई विभिन्न खराबियों की सूक्ष्मता से जांच के उपरान्त यह पाया गया कि मुख्य रूप से एक 220 के.व्ही.बुशिंग में आई खराबी प्रमुख थी, चूँकि ट्रांसफार्मर 50 वर्ष पुराना है, इसलिए किसी भी भारतीय एवं विदेशी कंपनियों ने इस को सुधारने में रूचि नहीं दिखाई। ऐसी स्थिति में विभाग के एक्सपर्ट इंजीनियरों, कर्मचारियों एवं सेवानिवृत्त अधिकारी द्वारा ट्रांसफार्मर के मरम्मत का कार्य बड़ी सूझबुझ के साथ किया गया।

इस ट्रांसफार्मर का ऊर्जीकृत किया जाना भिलाई एवं रायपुर क्षेत्र के लिए विद्युत प्रदाय हेतु अत्यंत आवश्यक था। इतने पुराने ट्रांसफार्मर को सुधार कर पुनः ऊर्जीकृत करना कंपनी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए विशेष उपलब्धि है। सुधार कार्य में मुख्य अभियंता (परीक्षण एवं संचार) रायपुर, अधीक्षण अभियंता (परीक्षण एवंसंचार), कार्यपालन अभियंता, उपकेन्द्र संभाग, 400 के.व्ही उपकेन्द्र संभाग, मीटर रिले परीक्षण संभाग के अतिरिक्त सेवानिवृत्त कर्मचारी श्री चंद्राराव का सहयोग उल्लेखनीय रहा।

पॉवर कंपनी के कार्यपालक निदेशक श्री सक्सेना की भावभीनी विदाई

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी के कार्यपालक निदेशक (ओ एंड एम) श्री ए.के.सक्सेना की सेवानिवृत्ति पर उन्हें 30 सितम्बर 15 को भावभीनी विदाई दी गई। विद्युत सेवा भवन में आयोजित विदाई समारोह में विद्युत कंपनीज के अध्यक्ष श्री शिवराज सिंह ने उन्हें प्रशस्ति पत्र, प्रतिकात्मक भेंट प्रदान कर शुभकामनाएं दी। इसी क्रम में श्री सिंह ने सेवानिवृत्त ईडी श्री सक्सेना के कार्यों को विद्युत विकास के लिए बहुमूल्य निरूपित किया। साथ ही उनके कार्यों को उत्कृष्ट अभियंता बनने की दृष्टि से अनुकरणीय बताया। समारोह में उपस्थित प्रबंध निदेशक सर्वश्री एस.बी.अग्रवाल, विजय सिंह, ए.के.गर्ग एवं अन्य उच्चाधिकारियों ने अपनी मंगल कामनाओं की अभिव्यक्ति दी।

इस अवसर पर उत्पादन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री एस.बी.अग्रवाल ने कहा कि पूरे देश के स्टेट पॉवर सेक्टर में हमारी कंपनी की गिनती उत्कृष्टता के क्रम में अग्रणी है। इसका श्रेय श्री सक्सेना जैसे अभियंताओं की कार्यदक्षता को जाता है। विदाई समारोह में बिदा लेते कार्यपालक निदेशक श्री सक्सेना ने कहा कि टीम वर्क के बूते चुनौतियों की घड़ी को सहजता से पार किया जा सकता है। ऐसे पल में विचलित होने के बजाय धैर्यतापूर्वक कार्य करना ही सफलता का मूल मंत्र है। समारोह में उपमहाप्रबंधक (जनसंपर्क) श्री विजय मिश्रा ने सेवानिवृत्त श्री सक्सेना के 39 वर्ष की सेवायात्रा पर प्रकाश डालते हुयें कार्यक्रम का संचालन किया।

132 के.व्ही. कुरूद (भिलाई) उपकेंद्र की दूसरी पारेषण लाईन ऊर्जीकृत

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत पारेषण कंपनी मर्यादित द्वारा प्रदेश में अति उच्चदाब उपकेंद्रों सहित पारेषण लाईनों का तेजी से विस्तार किया जा रहा है। इसी परिप्रेक्ष्य में 132 के.व्ही. कुरूद (भिलाई) उपकेंद्र की लगभग 03 किमी. लम्बी द्वितीय सर्किट पारेषण लाईन को कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री विजय सिंह एवं अन्य उच्चाधिकारियों की उपस्थिति में 28 अक्टूबर 15 को ऊर्जीकृत किया गया। इस नई पारेषण लाईन के निर्माण में लगभग आधा करोड़ रूपये का व्यय हुआ है। इस उपकेंद्र में 40 एम.व्ही.ए. के 02 ट्रांसफार्मर लगे होने से अब तक एक लाईन पर ओवर लोडिंग की समस्या थी जो अब लगभग समाप्त हो गई है।

उल्लेखनीय है कि कुरूद उपकेंद्र को अभी तक 132 के.व्ही. की एकमात्र पारेषण लाईन से सप्लाई उपलब्ध हो रही थी। इस लाईन के ऊर्जीकृत होने से अब कुरूद (भिलाई) उपकेंद्र की सप्लाई निर्बाध रूप से हो सकेगी। इस लाईन के निर्माण से कुरूद एवं उसके आसपास के क्षेत्रों में विद्युत व्यवस्था सुदृढ़ होगी और लो- वोल्टेज तथा विद्युत व्यवधान की समस्या का निदान हो सकेगा।

राजनांदगांव में प्रबंध निदेशक श्री अंकित आनंद ने ली अधिकारियों की समीक्षा बैठक

राजनांदगांव क्षेत्र के प्रशासनिक भवन स्थित क्षेत्रीय कार्यालय के सभाकक्ष में 22 सितंबर 2015 को प्रबंध निदेशक श्री अंकित आनंद ने विद्युत विभाग के अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि फेल ट्रांसफार्मर को त्वरित बदला जाये। राजनांदगांव एवं कवर्धा जिले में लोड ग्रुप को दृष्टिगत रखते हुए आगामी पांच वर्षों के हिसाब से नए सबस्टेशन बनाए जाएंगे।

उपभोक्ताओं को सुचारू रूप से विद्युत की आपूर्ति हो सके इस हेतु नये ट्रांसफार्मर की स्थापना, लाईनों का विस्तार, का आकंलन कर आगामी पांच वर्षों की तैयारियों के आधार पर प्राक्कलन स्वीकृत किए जाएंगे। बैठक में उपस्थित अधिकारियों को उन्होंने पंप कनेक्शन, स्कूल विद्युतीकरण एवं स्वास्थ्य केंद्रों में शत-प्रतिशत विद्युतीकरण का लक्ष्य जल्द से जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पीने के पानी के लिए नल-जल योजना का क्रियान्वयन सुचारु रूप से होना चाहिये।

इसी क्रम में श्री आनंद ने विद्युत विकास के लिए बेहतर योगदान देने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों की विशेष सराहना कर उन्हें प्रोत्साहित किया। बैठक में राजनांदगांव क्षेत्र के मुख्य अभियंता श्री प्रहलाद सिंह ने बताया कि इस वर्ष 797 ट्रांसफार्मर ज्यादा लोड के कारण फेल हो गए थे, इनमें से 754 ट्रांसफार्मरों को बदल दिया गया है। बाकी बचे ट्रांसफार्मरों को भी जल्द से जल्द बदल दिया जाएगा। बैठक में वितरण कंपनी के कार्यपालक निदेशक श्री एच.आर. नरवरे, मुख्य अभियंता ईआईटीसी श्री अशोक कुमार, राजनांदगांव वृत्त के अधीक्षण अभियंता श्री आर.एन. याहके एवं राजनांदगांव क्षेत्र के सभी कार्यपालन अभियंता उपस्थित थे।

समीक्षा बैठक में आर-एपीडीआरपी, स्पॉट बीलिंग, मीटर रीडिंग, सिंचाई पंपों के विद्युतीकरण, एसटीएन, एनीकट पंप ऊर्जीकरण, स्कूल विद्युतीकरण, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के विद्युतीकरण, आगंनबाड़ी विद्युतीकरण, ट्रांसफार्मर एवं सबस्टेशन मेंटेनेंश, एचटी एवं एलटी कनेक्शन, नलजल योजना, विधायक आदर्श ग्राम योजना, मुख्यमंत्री आंतरिक विद्युतीकरण योजना आदि के प्रगति कार्यों की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई।

केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान गुढ़ियारी में तकनीकी कर्मचारियों हेतु कार्यशाला

केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान गुढ़ियारी रायपुर में सीआईआरई हैदराबाद के सहयोग से सी एंड डी के राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इसके अंतर्गत सुरक्षा कार्यशैली, सुरक्षा उपकरणों का उपयोग, उचित कार्य वातावरण का निर्माण, प्राथमिक उपचार, ट्रांसफार्मर तथा अन्य विद्युत इक्विपमेंट का उचित ढंग से कुशलतापूर्वक संचालन एवं संधारण से सम्बंधित तथ्यों का ज्ञान प्रदान किया गया.

प्रशिक्षण के समापन अवसर पर कार्यपालक निदेशक (रा.क्षे.) श्री एम.एल. मिश्रा, रायपुर ने कहा कि कर्मचारियों की सुरक्षा प्रबंधन की प्राथमिक जिम्मेदारी है, मानवीय भूल ही किसी दुर्घटना के लिये जिम्मेदार होता है. सुरक्षित वातावरण एवं सुरक्षित कार्य के अभाव में कर्मी दुर्घटना के शिकार हो जाते हैं. सुरक्षा उपकरण कर्मचारियों के अभिन्न अंग है इसका समुचित उपयोग किया जाना चाहिए.

इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री जे.आर. पटेल एवं कार्यपालन अभियंता श्री एस.ए. हसन ने भी प्रशिक्षणार्थी को संबोधित किया.

जरा सोचें

हम अपनी गलतियो के लिए अच्छे वकील होते हैं और दूसरों की गलतियों के लिए अच्छे न्यायाधीश (जज) इसीलिए हम अपनी गलतियों का बचाव करते हैं और दूसरों में दोष देखते हैं।

दुर्ग में प्रबंध निदेशक श्री अंकित आनंद ने ली अधिकारियों की समीक्षा बैठक

दुर्ग क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक के कार्यालय में स्थित सभाकक्ष में वितरण कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री अंकित आनंद ने 05 अक्टूबर को समीक्षा बैठक ली। उन्होंने विभागीय कार्यों की प्रगति के अंतर्गत आर-एपीडीआरपी, स्पॉट बीलिंग, मीटर रीडिंग, सिंचाई पंपों के विद्युतीकरण, एसटीएन, एनीकट पंप ऊर्जीकरण, स्कूल विद्युतीकरण, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के विद्युतीकरण, आगंनबाड़ी विद्युतीकरण, ट्रांसफार्मर एवं सबस्टेशन मेंटेनेन्स, एचटी एवं एलटी कनेक्शन, नल-जल योजना, विधायक आदर्श ग्राम योजना, मुख्यमंत्री आंतरिक विद्युतीकरण योजना, राजस्व एवं लाईन लॉस आदि के कार्यों की प्रगति की समीक्षा की।

प्रबंध निदेशक श्री आनंद ने बताया कि एसटीएन एक बड़ी योजना तैयार की जा रही है। इस योजना के अंतर्गत विद्युत प्रणाली को सुदृढ़ बनाने सहित उपभोक्ताओं को संतोषप्रद सेवा देने के लिए आगामी पांच वर्षों हेतु कार्ययोजना एवं प्राक्कलन स्वीकृत कर क्रियान्वयन किया जायेगा। पंप कनेक्शन, स्कूल विद्युतीकरण एवं स्वास्थ्य केंद्रों में विद्युतीकरण की बेहतर व्यवस्था रखने के निर्देश उन्होंने अधिकारियों को दिए। उपभोक्ता-कंपनी हित में खराब व बंद मीटर को तुरंत बदलने एवं लाइन लॉस में कमी करने उन्होंने जोर दिया। बैठक में उपस्थित अधिकारियों की कठिनाइयां एवं समस्याओं को भी श्री आनंद ने जाना एवं प्रतिकूल परिस्थितियों में भी बेहतर कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया।

बैठक में छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित, दुर्ग क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक श्री कैलाश नारनवरे, अति.मुख्य अभियंता श्री एम.के. जामुलकर, अधीक्षण अभियंता श्री वी.के. गुप्ता, श्री बी.के. कुमरे, श्री एच.के. मेश्राम एवं दुर्ग क्षेत्र के समस्त कार्यपालन अभियंता उपस्थित थे।

एकात्म मानव दर्शन एवं पं. दीनदयाल उपाध्याय का आर्थिक चिंतन

आधुनिक भारत के जिन राजनैतिक विचारकों ने अपने विवेकपूर्ण चिंतन एवं कृत्यों से भारतीय राजनीति को शुचिता एवं शुद्धता के धरातल पर आधारित करने की चेष्टा की है उनमें पं. दीनदयाल का स्थान अत्यंत ही महत्वपूर्ण है। दीनदयाल एक मनीषी, चिंतक एवं कर्मयोगी थे जिनकी भारतीय संस्कृति एवं परम्परा में प्रगाढ़ आस्था थी। इनका जन्म 25 सितम्बर 1916 को उत्तर प्रदेश में हुआ।

पं. दीनदयाल उपाध्याय ने स्वरोजगार पर बहुत जोर दिया, वे चाहते थे कि अधिक से अधिक लोगों का अपना रोजगार हो। उनका मत था कि भारतीय परिवेश में कुटीर उद्योगों को भारतीय अर्थनीति का आधार मानकर विकेन्द्रीत अर्थव्यवस्था का विकास करने से ही देश की आर्थिक प्रगति संभव कृषि के क्षेत्र में लघु कृषकों के स्वामित्व खेती के पक्षधर थे।

पं. दीनदयाल उपाध्याय का यह कहना था कि जिस वस्तु का उत्पादन कुटीर उद्योग कर सकता है वह लघु उद्योगों द्वारा न बनाया जाए और जो उत्पाद लघु उद्योग निर्मित करे उससे वृहद उद्योगों द्वारा न बनाया जाए। उनके विचार वस्तुतः कालजयी हैं वे तब भी उतने ही प्रासंगिक थे और आज भी उतने ही प्रासंगिक है, इसलिए आवश्यकता इस बात की है कि उनके विचारों को आत्मसात कर सक्षम, स्वावलंबी, समर्थ भारत के निर्माण में अपना योगदान सुनिश्चित करें। देश के प्रत्येक नागरिक की आत्मनिर्भरता और स्वावलंबन के पक्षधर पं. दीनदयाल का निधन 11 फरवरी 1968 को हुआ।

दीनदयाल ग्राम ज्योति योजना -

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी द्वारा इस योजनान्तर्गत कृषि और गैर कृषि फीडर को अलग किया जाएगा। इससे कृषि और गैर कृषि उपभोक्ताओं के लिए विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी। इस योजना से ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत सेवाएं और बेहतर होगी। कृषि क्षेत्र में उत्पादकता बढ़ेगी। स्वास्थ्य, शिक्षा एवं सार्वजनिक सुरक्षा सेवाओं में सुधार होगा। संचार तंत्रों (रेडियो, टेलीफोन, टेलीविजन एवं मोबाईल) की पहुंच में भी वृद्धि होगी। दीनदयाल ज्योति योजना से होगी भारत के हर गांव, हर घर में बिजली, हर खेत में पानी।

प्रबंध निदेशक श्री अंकित आनन्द ने की विद्युत विकास कार्यो की समीक्षा

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कम्पनी के प्रबंध निदेशक श्री अंकित आनन्द ने विद्युत विभाग के आला अधिकारियों की समीक्षा बैठक 06 अक्टूबर 15 को ली। समीक्षा बैठक में उन्होंने अम्बिकापुर क्षेत्र के विभागीय संभाग क्रमशः अम्बिकापुर, सूरजपुर, बलरामपुर एवं मनेन्द्रगढ़ (कोरिया) में चल रहें विद्युत विकास कार्यो की विस्तारपूर्वक चर्चा की। उन्होंने क्षेत्र के किसानों को विद्युत कनेक्शन शीघ्र प्रदाय करने, सांसद एवं विधायक आदर्श ग्रामों में विद्युत विस्तार अतिशीघ्र पूर्ण करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

प्रबंध निदेशक श्री अंकित आनन्द ने अधिकारियों से सिलसिलेवार विद्युत विकास कार्यो एवं कठिनाइयों के संबंध में जानकारी ली उन्होंने लाईन लॉस तथा विद्युत चोरी को नियंत्रित करने, राजस्व बकाया वसूली पर कड़ाई बरतने की हिदायत दी, उन्होंने बताया कि पूरे प्रदेश सहित इस संभाग में भी बेहतर विद्युत सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सब-ट्रांसमिशन नेटवर्क (एस.टी.एन.) की एक बड़ी योजना को अस्तित्व में लाया जा रहा है। इस योजना के अन्तर्गत आगामी वर्षो में अम्बिकापुर रीजन के चारो जिलों सरगुजा, बलरामपुर, सूरजपुर एवं कोरिया में लोड ग्रुप के हिसाब से नये सब-स्टेशनों का निर्माण किया जायेगा। प्रबंध निदेशक ने स्कूल विद्युतीकरण, आंगनबाड़ी विद्युतीकरण तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों का विद्युतीकरण के लक्ष्य को जल्द से जल्द पूर्ण करने के निर्देश अधिकारियों को दिये।

उन्होंने आर.-ए.पी.डी.आर.पी., स्पॉट बिलिंग, मीटर रीडिंग, सिंचाई पंपों के विद्युतीकरण एस.टी.एन. योजना, एनीकट पंप ऊर्जीकरण, स्कूल विद्युतीकरण, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों के विद्युतीकरण, आंगनबाड़ी विद्युतीकरण, ट्रांसफार्मर एवं सब-स्टेशन मेटेनेन्स, एच.टी. एवं एल.टी. कनेक्शन, नल-जल योजना, दीनदयाल उपाध्याय, ग्रामीण विद्युतीकरण योजना, शहरीय एकीकृत विद्युतीकरण योजना, सांसद आदर्श ग्राम योजना, विधायक आदर्श ग्राम योजना, मुख्यमंत्री आंतरिक विद्युतीकरण योजना एवं सरगुजा विकास प्राधिकरण आदि के विकास कार्यो की समीक्षा की। प्रबंध निदेशक ने अधिकारियों को उनके उत्कृष्ट कार्यो के लिए बधाई देते हुए कहा आधुनिक दौर में उन्नत टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल और अधिकारियों से कर्मचारियों तक की पारंगता कम्पनी के प्राथमिकताओं में शामिल है ऐसे ग्रामीण अंचल जहां कि ऑनलाईन कनेक्टिविटी उपलब्ध नहीं हैं उन्हें छोड़कर सभी कार्यालयों में मेन्युअल कनेक्शन के बजाये ऑन लाईन विद्युत कनेक्शन देना सुनिश्चित करें। वितरण हानि, बिजली चोरी, राजस्व बकाया में वृद्धि को नियंत्रित करके अम्बिकापुर क्षेत्र के विद्युत परिदृश्य को और बेहतर बनाने की जिम्मेदारी विशेषकर मैदानी अधिकारियों के कंधे पर हैं। बैठक को संबोधित करते हुये मुख्य अभियंता श्री एस.के. ठाकुर ने बताया कि इस वर्ष ओवर लोड के कारण लगभग 616 ट्रांसफार्मर फेल हुए इनमें से 544 ट्रांसफार्मरों को बदल दिया गया हैं बाकि शेष बचे ट्रांसफार्मरों को भी शीघ्र बदल दिया जायेगा। उन्होंने कार्यालयीन एवं तकनीकी कर्मचारियों की कमी तथा प्रशासनिक भवन निर्माण सहित अम्बिकापुर क्षेत्र के अन्तर्गत आने वाले सभी संभागीय कार्यालयों के बुनियादी कठिनाइयों पर प्रबंध निदेशक का ध्यान आकृष्ट कराया। बैठक में कम्पनी के कार्यपालक निदेशक श्री एच.आर. नरवरे, अति. मुख्य अभियंता श्री आर.के. मिंज, अधीक्षण अभियंता श्री आवेदन कुजूर सहित सभी संभाग के कार्यपालन अभियंता उपस्थित हुए।

बिलासपुर क्षेत्र में प्रशिक्षण कार्यक्रम

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी में मानव संसाधन विषय पर राज्यस्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान कर्मचारियों को नवीन तकनीकी को अपनाने एवं इन्हीं प्रणालियों के अनुरूप कार्यालयीन कार्य को बेहतर करने की जानकारी प्रशिक्षकों द्वारा दी गई। बिलासपुर क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक श्री पी.के.अग्रवाल ने प्रशिक्षण की आवश्यकता एवं उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुये प्रशिक्षार्णियों को समर्पित भाव से दायित्व निवर्हन का आव्हान किया। कंपनी के ऊर्जा सूचना प्रौद्योगिकी केन्द्र रायपुर के कार्यपालन अभियंता श्री आर.पी.नामदेव ने परिवर्तन के दौर में नई तकनीकियों की जानकारी को आवश्यक निरूपित किया। प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षक तृप्ति भालेकर एवं प्रमिला पाटले ने नवीन तकनीकी के माध्यम से कार्यालयीन कार्यों को सुव्यवस्थित करने की प्रक्रिया बताई। तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में रायगढ़, जांजगीर-चांपा, जशपुर एवं बिलासपुर जिले के कर्मचारी शामिल हुये।

गुरू गोविंद सिंह

गुरू गोविंद सिंह सिखों के दसवें व अंतिम गुरू माने जाते हैं। इन्हें दशमेश पिता, सरबंस दानी, बाला प्रीतम, नीले वाला आदि नामों से भी पुकारा जाता है। उनका जन्म बिहार के पटना में पौष सुदी सावतीं सन् 1666 में हुआ। इनकी माता का नाम गुजरी जी तथा पिता श्री गुरूतेग बहादुर जी था। इन्होंने 1699 ईसवी में खालसा पंथ की स्थापना की। खालसा यानी खालीस (शुद्ध) अर्थात जो मन, वचन एवं कर्म से शुद्ध हो और समाज के प्रति समपर्ण का भाव रखता हो।

गुरू गोविंद सिंह जी को एक महान स्वतंत्रता सेनानी, कवि, त्याग और वीरता की मूर्ति के रूप में जाना जाता है। युद्ध की प्रत्येक स्थिति में तैयार रहने के लिए इन्होंने सिखों के लिए 5 ककार अनिवार्य घोषित किये। जिन्हें प्रत्येक सिख धारण करना अपना गौरव समझता है। गुरू गोविंद सिंह जी की बहादुरी इन पक्तियों से झलकती है- ''सवा लाख से एक लड़ाऊँ, चिड़ियों सो मैं बाज तड़ऊँ तबे गोविंद सिंह नाम कहाऊँ''।

गुरू गोविंद सिह जी ने सिखों को शुभ आचरण करने, देश प्रेम करने और सदा दीन-दुखियों की सहायता करने की सीख दी। सिख सम्प्रदाय ने कई अहम मौके पर मुगलों और अंग्रेजों से भारत की रक्षा की। गुरू गोविंद सिंह जी की मृत्यु 07 अक्टूबर 1708 में नांदेड महाराष्ट्र में हुई। उनके बाद कोई देहधारी गुरू नहीं हुआ और गुरू ग्रन्थ साहिब ही गुरू के रूप में मार्गदर्शन करेंगे।

पॉवर कंपनी से सेवानिवृत्त कर्मियों की भावभीनी विदाई

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी से सेवानिवृत्त हुये कर्मियों को मुख्यालय डंगनिया के भारप्रेषण केन्द्र स्थित सभाकक्ष में 30 सितम्बर 15 को भावभीनी विदाई दी गई। इस मौके पर ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री विजय सिंह ने कहा कि कर्मचारी अपने जीवन का बेहतर देकर संस्थान को नई ऊंचाई तक पहुंचाने में योगदान देता है। कंपनी को स्थापित करने में उनकी भूमिका स्तम्भ की तरह होती है। रिटायरमेंट के बाद ऐसे सक्षम लोग समाज और परिवार की बेहतरी के लिये अपना अधिकाधिक समय दे सकते हैं। समारोह में रिटायर कर्मचारी मधुर सूदन अड़वे ने अपने अनुभव बताया कि पारेषण कंपनी ने सेवा निवृत्त कर्मचारियों को रिटायरमेंट के पश्चात् देय लाभ जीपीएफ समेत ग्रेच्युटी, अवकाश नगदीकरण एवं पेंशन आर्डर तथा सेवा प्रमाण पत्र देने की जो परंपरा बनाई है, उसे भविष्य में भी कायम रखा जाना चाहिये। इससे रिटायर कर्मचारी को भटकना नहीं पड़ता।

एमडी श्री सिंह ने सेवानिवृत्त कर्मचारी सर्वश्री पूनाराम सिन्हा रायपुर, मधुसूदन अड़बे, गोपीचंद लिल्हारे, जी अरन्ना और तोरण कुमार को प्रतीक चिन्ह और सेवा प्रमाण पत्र भेंट किया गया। इस मौके पर कार्यपालक निदेशक सर्वश्री आर.के.मेहता, के.एस.मनोठिया संजय पटेल, चीफ इंजीनियर डब्ल्यू आर वानखेड़े तथा वित्त विभाग के जीएम वाई.बी.जैन समेत अनेक कर्मचारी अधिकारी मौजूद थे। आभार प्रदर्शन डीजीएम (एचआर) श्री एच.के.बघेल ने किया। मंच संचालन श्री योगेश नैय्यर ने किया।

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर होल्डिंग-ट्रांसमिशन कंपनी से सेवानिवृत्त हुये कर्मियों को मुख्यालय डंगनिया में भावभीनी विदाई 31 अक्टूबर 15 को दी गई। इस मौके पर होल्डिंग कंपनी के कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) श्री शारदा सिंह एवं ट्रांसमिशन कंपनी के कार्यपालक निदेशक श्री आर.के. मेहता ने सेवानिवृत्तजनों को प्रतीक चिन्ह और सेवा प्रमाण पत्र भेंट किया। सेवानिवृत्त अधिकारियों/कर्मचारियों में प्रबंधक श्री रविन्द्र नाथ दत्ता सहित अजय दत्त भट्ट बिलासपुर, शत्रुहन लाल रायपुर, जमील अहमद खान, ओम प्रकाश वर्मा, विश्राम यादव भिलाई और दिवाकर रावत शामिल थे। इन्हें शुभकामनायें देते हुये उच्चाधिकारियों ने कहा कि दीर्घ अनुभवी कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति किसी भी संस्थान के लिये एक अपूरणीय क्षति की भांति होती है, पर ऐसे कर्मचारियों की कार्यशैली अन्य सेवारत कर्मियों के लिए सदैव प्रेरक सिद्ध होती है। विदाई समारोह में सेवानिवृत्तजनों ने अपनी सेवायात्रा के अनुभव बांटते कार्य के प्रति निष्ठा और समयबद्धता को अपनी सफलता का आधार बताया।

विदाई समारोह में होल्डिंग कंपनी के अतिरिक्त महाप्रबंधक(मानव संसाधन) श्री अजय श्रीवास्तव, सी.एस.ठाकुर, डी.डी.पात्रीकर, एस.आर.बांधे, डॉ. हेमन्त सचदेवा, डॉ. अल्पना शरद तिवारी, नम्रता चौहान तथा पारेषण कंपनी के कार्यपालक निदेशक के.एस.मनोठिया चीफ इंजीनियर डब्ल्यूआर वानखेड़े, आर.के. तिवारी तथा वित्त विभाग के जीएम वाई.बी. जैन आदि ने सेवानिवृत्तजनों को शुभकामनायें दी। श्रीमति ईरा पंत ने गीत प्रस्तुत किया। मंच संचालन उपमहाप्रबंधक(जनसम्पर्क) श्री विजय मिश्रा एवं योगेश नैय्यर ने किया। आभार प्रदर्शन डीजीएम (एचआर) एच.के.बघेल ने किया।

आकृति महिला मंडल द्वारा कुष्ठ पीड़ितों की सहायता

आकृति महिला मंडल द्वारा 25 अक्टूबर को स्वर्गीय सदाशिव गोविंद कात्रेजी द्वारा स्थापित भारतीय कुष्ठ निवारक संघ कात्रेनगर, चांपा में जरूरत की चीजें भेंट की गईं। मड़वा तेन्दूभाठा ताप विद्युत परियोजना के आवासीय परिसर में सक्रिय महिला मंडल के पदाधिकारियों ने कुष्ठ पीड़ितों को फल, मिठाई तथा संस्था को कंबल, कटोरियां, कुर्सियां और पंखे सौंपे। इस मौके पर श्रीमती रीमा दुबे, श्रीमती यशोदा वर्मा, श्रीमती शैला जार्ज, श्रीमती मोड़क व अन्य मौजूद थीं। संस्था में 95 महिला, 45 पुरूष कुष्ठ पीड़ित हैं। इनके 79 बच्चे संस्था के स्कूल में ही पढ़ते हैं। संस्था में गोशाला, कामधेनु

विज्ञान केंद्र, दरी-टाटपट्टी उद्योग, चाक उद्योग, सिलाई व प्रशिक्षण केंद्र भी हैं। साथ ही 60 एकड़ की कृषि भूमि हैं जिसमें कुष्ठ पीड़ित ही फसल उगाते हैं।

राजनांदगांव में हिन्दी सप्ताह का आयोजन

राजनांदगांव के प्रशासनिक भवन स्थित कार्यालय में हिन्दी सप्ताह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अभियंता श्री प्रहलाद सिंह ने कहा कि हर देश की अपनी एक संस्कृति होती है और उसे पहचान देने में भाषा की अहम भूमिका होती है। देश के जन-जन के मन में हिंदी भाषा गौरवमयी स्थान प्राप्त करे ऐसी कामना है। उन्होंने कहा कि हमें हिंदी भाषा का सम्मान करते हुए सारे पत्राचार हिंदी में करना चाहिए।

इस अवसर पर अधीक्षण अभियंता श्री बी.पी. गुप्ता ने हिन्दी के अधिकाधिक प्रयोग पर बल दिया। हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में श्री प्रशांत तिवारी प्रथम, श्रीमती माया चन्द्राकर द्वितीय, श्री ए.सी. श्रीवास्तव तृतीय सहित श्री डी.पी.साहू एवं श्री विरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव पुरस्कृत किये गये। हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए लेख लिखने हेतु आयोजित प्रतियोगिता में लेखाधिकारी श्री ललित कुमार मेश्राम को प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया। कार्यक्रम में श्रीमती अरुणा साठे, श्री के.के. श्रीवास्तव एवं श्री प्रशांत तिवारी ने भी हिंदी की महत्ता पर अपने-अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का संचालन करते हुए कल्याण अधिकारी श्री अशोक पिल्लई ने कहा, यह सुखद है कि आज कंप्यूटर और मोबाइल में हिंदी का वर्चस्व बढ़ रहा है। कार्यक्रम में कार्यपालन अभियंता श्री जे.एस. चौधरी, प्रशासनिक अधिकारी श्री हरिश जांगड़े सहित अन्य कर्मचारी भी उपस्थित थे।

वितरण कंपनी के मानव संसाधन विभाग में विदाई समारोह

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी के मानव संसाधन विभाग के कार्यालय में पदस्थ उपमहाप्रबंधक श्री आर.ए. पाठक को दिनांक 27 अक्टूबर 2015 को भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर नये उपमहाप्रबंधक श्री जी.एल. चन्द्रा का स्वागत भी किया गया। श्री पाठक ने अपने उद्बोधन में सभी कर्मचारियों से मिले सहयोग के लिए आभार व्यक्त किये। श्री चन्द्रा ने वितरण कंपनी के कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए इच्छा व्यक्त की। विदाई समारोह में कार्यपालक निदेशक श्री शारदा सिंह ने श्री जी.एल. चन्द्रा एवं श्री पाठक को बधाई देते हुये प्रदेश में वितरण कंपनी के विकास की कामना व्यक्त की। कार्यक्रम में प्रबंधकद्वय श्री पी.के. कोमजवार, श्री ए.एन. दुबे, सहायक प्रबंधक श्रीमती प्रगति ओक, श्रीमति मल्लिका बेक सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन जनसंपर्क विभाग के अनुभाग अधिकारी श्री रतन गोंडाने ने किया।

मुहावरे

दिए गए मुहावरों को उनके सही अर्थ से मिलाएं :

1. आफत का मारा	(अ) निराश हो जाना।
2. आरती उतारना	(ब) भटकते रहना।
3. आवाज उठाना	(स) पक्ष/विपक्ष में बोलना।
4. आवारागर्दी करना	(द) अभिनंदन करना।
5. आस टूटना	(ई) पीड़ित व्यक्ति।

कनिष्ठ अभियंताओं का तीन दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

राजनांदगांव के क्षेत्रीय प्रशासनिक भवन स्थित कार्यालय में राजनांदगांव क्षेत्र के विभिन्न वितरण केन्द्रों में पदस्थ 25 कनिष्ठ अभियंताओं का तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत 22 से 24 सितम्बर 2015 तक किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अभियंता श्री प्रहलाद सिंह द्वारा किया गया। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से अनुभव बांटने का मौका मिलता है और इससे कार्यक्षेत्र में बेहतर परिणाम प्राप्त होता है।

कनिष्ठ अभियंताओं को सर्वश्री जे.एस.चौधरी, राजेश ठाकुर, एस.कंवर, नुरेन्द्र साहू, विमलेश सिंह, चिन्मय सेन, एल.के.मेश्राम, अशोक पिल्लई एवं हरीश जांगड़े द्वारा तकनीकी/प्रशासनिक एवं वित्तीय कार्यप्रणाली की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में विद्युत की बुनियादी जानकारी, भारत में विद्युत सेक्टर का परिदृश्य, सुधार की संकल्पना, आरजीजीवाई, आर-एपीडीआरपी, उन्नत मीटरिंग, एचटी मीटरिंग, ऊर्जा के मीटर, मीटरों के प्रकार, स्पॉट बिलिंग, विद्युत अधिनियम 2003, केन्द्रिय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) मीटरिंग कोड, उपभोक्ता संबंध एवं विद्युत चोरी की रोकथाम, उपभोक्ता अनुक्रमणी बनाना एवं सुरक्षा जैसे विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के समापन में मुख्य अभियंता श्री प्रहलाद सिंह, अधीक्षण अभियंता द्वय श्री आर.एन. याहके, श्री बी.पी. गुप्ता एवं कार्यपालन अभियंता श्रीमती एम. नागवंशी ने प्रशिक्षणार्थियों को आर.ई.सी. द्वारा प्रदत्त प्रमाण पत्र एवं टी एंड पी किट प्रदान किया।

जरा सोचें

जब ज़िंदगी आपको दुःखी हो के सौ कारण बताए, तो आप ज़िंदगी को बताएं कि आपके पास मुस्कुराने के हजार कारण हैं।

अंबिकापुर में प्रशिक्षण कार्यक्रम

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कम्पनी अम्बिकापुर क्षेत्र द्वारा गांधी नगर स्थित कल्याण केन्द्र में राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत राजीव गांधी ग्रामीण विद्युतीकरण योजनान्तर्गत "सी. एंड डी." तकनीकी कर्मचारियों के लिए चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। विद्युत विभाग द्वारा अपने तकनीकी कर्मचारियों के कार्यकुशलता में वृद्धि एवं कार्यक्षेत्र में बेहतर तालमेल के साथ निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से ही 28 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक चार दिवसीय राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें अम्बिकापुर क्षेत्र के अन्तर्गत आने वाले चारों विभागीय संभाग अम्बिकापुर, बलरामपुर, सूरजपुर और मनेन्द्रगढ़ के लाइन कर्मचारी शामिल हुए।

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कम्पनी अम्बिकापुर द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ मुख्य अभियंता श्री एस.के. ठाकुर द्वारा किया गया। उन्होंने प्रशिक्षण कार्यशाला में उपस्थित कर्मचारियों को संबोधित करते हुये कहा कि प्रशिक्षण से कार्यकुशलता में निखार आता है तथा तकनीकी कार्यो में दक्षता, ज्ञान, कुशलता, अभिरुचि तथा क्षमताओं में वृद्धि के लिए प्रशिक्षण का आयोजन महत्वपूर्ण है।

प्रशिक्षण का उद्देश्य यह भी होता है कि कर्मचारी आपस में मिलकर चर्चा करे और एक दूसरे की कार्यशैली ग्रहण कर कार्य का संपादन बेहतर ढंग से करें। अलग-अलग क्षेत्रों में विकट परिस्थितियों में उत्कृष्ठ ढंग से कार्य करने वाला कर्मचारी अपने कार्य का उल्लेख कर दूसरे कर्मचारी को भी बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित करता है बिजली कम्पनी द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यशाला में तकनीकी कर्मचारियों को एग्रीगेट टेक्निकल एवं कमर्शियल लॉसेस, विद्युत अधिनियम 2003, दीनदयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना, बिजली की बुनियादी स्त्रोत, त्वरित विद्युत विकास एवं सुधार कार्यक्रम लाईनमेन की ड्युटी और जिम्मेदारियां, सर्विस कनेक्शन, 33/11 के. व्ही. सब-स्टेशन का अवलोकन एवं बुनियादी रख-रखाव, ट्रांसफार्मर में आने वाली खराबियां एवं सुधार, रख-रखाव संबंधी जानकारी केबलों के प्रकार- ए.बी. केबल्स एवं कन्ट्रोल केबल्स, फ्यूज ग्रेडिंग, लाईन निर्माण, नई लाईनों कमिशनिंग, लाईन निरीक्षण एवं रख-रखाव अर्थिंग, मीटरिंग के बारे में बुनियादी बाते, मीटरों के प्रकार, मीटरिंग, बिलिंग और वसूली, निर्माण स्थल, मीटर टेस्टिंग, बिलिंग एवं संग्रहण की विधियां दर नियम/दर ढांचा, ऊर्जा चोरी एवं सतर्कता सुरक्षा प्राथमिक सहायता एवं आग बुझाने के उपकरण, निजी बचाव के उपकरण और व्यवहार आधारित सुरक्षा, कस्टमर, रिलेषनषिप मैनेजमेन्ट संचार कुशलता, बिजली चोरी के रोकथाम जैसे विषयों पर कम्पनी के उच्च अधिकारियों द्वारा व्याख्यान दिये गये।

प्रशिक्षण कार्यशाला में कार्यपालन अभियंता श्री एस. तिर्की के बेहतर प्रबंधन और मार्गदर्षन से प्रशिक्षण ग्रहण कर रहे तकनीकी कर्मचारी उत्साहित हुए। इस अवसर पर अति. मुख्य अभियंता श्री आर.के. मिंज, कार्यपालन अभियंता द्वय श्री एस.पी. कुमार श्री ए.के. भारतव्दाज, प्रशासनिक अधिकारी द्वय श्री पी.डी. तिग्गा, श्री विकास श्रीवास्तव, सहायक अभियंता सर्वश्री ए.के. जायसवाल, टी.के. पटेल, श्री एस. प्रजापति, डी. के. शर्मा, एन.पी. सिंह एवं ए.के. रामटेके उपस्थित हुए।

चुरपुर गोठ-मोबाइल अउ इंटरनेट

मोबाइल के जमाना हे, चलत हे हर तरफ अड़बड़ नेट,
चक्कर मां एकर खाना घलो नई खवावय भर पेट
आठोंकाल, बारहों महिन्ना, आषाढ़ सावन अउ जेठ,
उठत बईठत रेंगत दउड़त घसत घसत कोलगेट
मोबाइल के चाहत हर नई छूटै, डिप्टी मा भले हो जाए लेट,
सब झन जुटे हे मोबाईल मा, गरीब होवय चाहे धन्ना सेठ,
मोह मा फेस बुक अउ व्हाट्सएप के, लेहे बर पड़ग मंहगा वाला हेन्डसेट
कतेक गुन गावौं एखर गा, बन गेहे मनखे के गिरनेट
जय हो तोर व्हाट्सएप जय जय हो तोर इंटरनेट।

श्रीमती ईरा पंत

बिलासपुर में हृदय रोग तथा मधुमेह रोग संबंधी स्वास्थ्य परीक्षण शिविर संपन्न

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी बिलासपुर क्षेत्र में ''संस्कृति महिला मण्डल'' के छ.रा.वि.पॉ.कं. के बैनर तले हृदय रोग एवं मधुमेह बिमारी से बचाव संबंधी व्याख्यान माला का आयोजन दिनांक 26 सितम्बर 2015 को श्रम कल्याण केन्द्र, तिफरा में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में 200 अधिकारियों एवं कर्मचारियों का रक्तचाप, ब्लड शुगर, हीमोग्लोबिन एवं ब्लड ग्रुप का परीक्षण किया गया जिसमें मधुमेह के 11, एनिमिया के 27 नए मामलों का पता चला। व्याख्यान माला में डॉ. एम.पी. सामल हृदयरोग विशेषज्ञ ने बताया कि जीवन शैली में नियमितता तथा खानपान में सावधानी रखकर इस भयावह बिमारी से सहजता से बचा जा सकता है। बीमारियों से बचने के लिए व्यक्ति व्यायाम एवं योग का नियमित अभ्यास करें। डॉ. सामल ने बताया की आमतौर पर हार्टअटैक से होने वाली मौत को आकस्मिक मृत्यु कहा जाता है लेकिन ऐसा नहीं है दरअसल हार्टअटैक कभी भी अचानक नहीं होता यह तीन-चार बार की प्रक्रिया है। अगर हार्टअटैक के संकेतों को ध्यान में रखकर सतर्क रहा जाए तो इससे भी बचा जा सकता है।

मधुमेह रोग विशेषज्ञ डॉ. कल्पना दास ने बताया कि वर्तमान में पश्चिमी सभ्यता हमारे जनजीवन में शामिल होने के कारण हमारे खानपान में परिवर्तन आया है जैसे अब हम बचपन से ही पिज्जा, बर्गर एवं तली हुई खाद्य पदार्थों का अत्याधिक सेवन कर रहे हैं जिससे मधुमेह रोग होने की संभावना अधिक हो जाती है। इन बिमारियों से बचने के लिये हमे नियमित खानपान, व्यायाम एवं फलों का अत्यधिक सेवन करना चाहिए। व्याख्यान माला में बिलासपुर क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक श्री पी.के. अग्रवाल, अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री शरद श्रीवास्तव, श्री डी.के. भोजक, श्री व्ही.आर. मौर्या, श्री ए.के. श्रीवास्तव, श्री जी.पी. सोनवानी अधीक्षण अभियंता एवं डॉ. टी.ए. सिंह, डॉ. सुभे लाल कोरटिया सहित बड़ी संख्या में गृहणिया उपस्थित थी जिन्होंने डॉ. सामल एवं डॉ. कल्पना दास से प्रश्न कर अपनी जिज्ञासाओं को समाधान किया। व्याख्यान माला के आरंभ में संस्कृति महिला मण्डल की अध्यक्षता श्रीमति ऊषा अग्रवाल, मौसमी धर, सरिता चौहान, माधुरी कश्यप, गिरिजा महालया, कुसुम मोर्या सपन भारती श्रीमति ऊषा संधु, तृप्ति जांगड़े, सविता श्रीवास्तव, श्रीमति भोजक ने अतिथियों का पुष्प गुच्छ से स्वागत किया एवं अंत में श्रीमति ऊषा अग्रवाल ने आभार प्रदर्शन किया।

विद्युत कर्मचारी थ्रिप्ट एवं साख सहकारी संस्था मर्यादित, बिलासपुर का सम्मान समारोह संपन्न

विद्युत कर्मचारी थ्रिप्ट एवं साख सहकारी संस्था मर्यादित, बिलासपुर के तत्वाधान में प्रतिभावन छात्र-छात्राओं एवं सेवानिवृत्त सदस्यों के सम्मान समारोह का आयोजन कल्याण भवन तिफरा में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री लखन लाल साहू, सांसद बिलासपुर लोकसभा क्षेत्र एवं विशिष्ट अतिथि श्री पी.के. अग्रवाल, कार्यपालक निदेशक, छ.रा.वि.वि.कं.मर्या. बिलासपुर क्षेत्र के उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

सम्मान समारोह में प्रतिभावन छात्र-छात्राओं एवं सेवानिवृत्त सदस्यों को मुख्य अतिथि श्री लखन लाल साहू, सांसद बिलासपुर लोकसभा क्षेत्र के द्वारा मेडल एवं प्रशस्ति पत्र तथा सेवानिवृत्त सदस्यों को शॉल, श्रीफल, से सम्मानित करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में विद्युत सहकारी संस्था मर्यादित बिलासपुर के कार्यो की प्रशंसा करते हुए कहा कि, यह संस्था कर्मचारियों के हित में विगत 23 वर्षो से निरंतर कार्यरत है। जो कि इस संस्था की कार्यशैली एवं उसकी उपयोगिता को प्रदर्शित करता है। संस्था द्वारा आयोजित यह सम्मान समारोह कर्मचारियों के परिवार के प्रति उनके समाजिक दायित्वों का परिचायक है। जिसके लिये संस्था के समस्त पदाधिकारी, एवं सभी सदस्य बधाई के पात्र है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि, श्री पी.के.अग्रवाल, कार्यपालक निदेशक (बिक्षे) द्वारा विद्युत कर्मचारी थ्रिप्ट एवं सहकारी संस्था मर्यादित बिलासपुर को सहकारी क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट कार्य करने के लिये बधाई देते हुए सभी सदस्यों को शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर सहकारी संस्था के अध्यक्ष श्री नरेश कुमार पाण्डेय, उपाध्यक्ष, श्रीमति सुमन चतुर्वेदी, शिवहरण लाल वर्मा, एवं पी.एम.होनप, श्री दिनेश ठाकुर, एस. के दुबे, श्री जे.एल. गहवई, ऊर्मिला यादव, श्री सी.के.सोनी, बी.पी.देवांगन, डी.के.मन्नेवार, तथा बड़ी संख्या में क्षेत्र के सदस्य उपस्थित थे।

जरा सोचें

जिंदगी एक परीक्षा है ज्यादातर लोग इसमें असफल हो जाते हैं,
क्योंकि वे दूसरों की नकल करते हैं। वे यह नहीं समझ पाते कि सबके प्रश्न पत्र अलग-अलग हैं।

हसदेव ताप विद्युत गृह संयंत्र एवं विद्यालयों में दिलाई गई स्वच्छता शपथ

स्वच्छ भारत अभियान के तहत् हसदेव ताप विद्युत गृह में कार्यपालक निदेशक श्री ओ.सी. कपिला ने अधिकारियों को स्वच्छ साफ-सुथरा भारत के निर्माण में अपना व्यक्तिगत सहयोग करने की शपथ दिलाई। अधिकारियों ने शपथ ली कि वह अपने परिवार, आवास परिसर एवं कार्यस्थल की स्वच्छता के लिये व्यक्तिगत प्रयास करेंगे तथा दूसरों को इसके लिये प्रेरित करेंगे।

श्री ओ.सी.कपिला ने विभाग प्रमुखों को निर्देश दिये कि वह संयंत्र के कार्यस्थलों में भी कर्मचारियों को स्वच्छता की शपथ दिलवायें। आवास परिसर स्थित विद्युत गृह उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, पूर्व माध्यमिक विद्यालय, प्राथमिक विद्यालय एवं बीकन आंग्ल विद्यालय में भी शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं ने स्वच्छ भारत अभियान में व्यक्तिगत प्रयास करते हुये अपनी भागीदारी निश्चित करने की शपथ ली।

हसदेव ताप विद्युत गृह में स्वच्छ भारत पखवाड़ा के आयोजन के लिये अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री ए.के. व्यास की अध्यक्षता में एक टीम गठित की गई है जो पखवाडे की अवधि में विभिन्न गतिविधियां संचालित करेंगी। टीम में वरिष्ठ मुख्य रसायनज्ञ श्री पी.के. सेलट, अतिरिक्त मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ.एम.आर. स्नेही, कार्यपालन अभियंता के.सी. अग्रवाल वरिष्ठ कल्याण अधिकारी पी.के. दवे, , नरेन्द्र शर्मा, एफ. कुजूर, अधीक्षण अभियंता, पी.के.पाण्डेय, एस.पी. द्विवेदी, रजनीश जांगडे सम्मलित हैं। टीम ने इसके पूर्व आवासीय परिसर एवं संयंत्र में स्थित विभिन्न सार्वजनिक शौचालय का निरीक्षण किया एवं उन्हें और स्वच्छ रखने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

हसदेव ताप विद्युत गृह में सेवानिवृत्त कर्मचारियों को भावभीनी विदाई

हसदेव ताप विद्युत गृह में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। सेवानिवृत्त कर्मचारियों में सर्वश्री एस.एन. चोरनेले, एस.डी. कुलदीप, कृष्णय्या, मनहरण लाल साहू, सहरता राम कटकवार, दाऊ भाऊ सिंह, लोकनाथ नाग, मामुलाल कुम्हार एवं जीवन लाल बरेठ को समारोह में भावभीनी विदाई दी गई।

विदाई समारोह की अध्यक्षता कर रहे अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री एन.के.बिजौरा ने अपने उद्बोधन में कहा कि जीवन के इस पड़ाव में उत्तम स्वास्थ्य ही सबसे बडी पूँजी होती है। सेवानिवृत्त हो रहे कर्मचारियों के अनुभवों का लाभ प्रत्यक्ष रूप से संयंत्र को मिला। अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री ए.के.व्यास एवं वरिष्ठ मुख्य रसायनज्ञ श्री पी.के.सेलट ने भी सेवानिवृत्त कर्मचारियों को उनके उत्तम स्वास्थ्य एवं सुखी जीवन की कामना की।

इस अवसर पर अधीक्षण यंत्री सर्वश्री एस.एन. कोसरिया, आर.के. शास्त्री, ए.एस. कोरम, व्ही.के. दुबे, रमेश राव, कार्यपालन अभियंता श्रीमती भगवती बंजारा एवं कार्यालय सहायक श्रेणी-दो श्री एस.एल. तिवारी, ने अपने उद्बोधन में सेवानिवृत्त कर्मचारियों के द्वारा विद्युत कम्पनी के हित में की गई सेवा एवं उत्कृष्ठ कार्यप्रणाली के लिये प्रशंसा करते हुये कहा कि यह हमारी नई पीढ़ी के लिये प्रेरणास्त्रोत रहेंगे। श्री एस.एन. चोरनेले एक अच्छे हिन्दी कवि हैं अतः उनके सम्मान में श्री अरूण सोनी तथा श्री एस.एल. तिवारी ने कविता पाठ किया। कार्यक्रम का संचालन पी.के. दवे, वरिष्ठ कल्याण अधिकारी द्वारा किया गया।

दुर्ग के क्षेत्रीय कार्यालय में राष्ट्रीय एकता दिवस की प्रतिज्ञा

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी दुर्ग के क्षेत्रीय कार्यालय में 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक श्री कैलाश नारनवरे ने समस्त अधिकारियो एवं कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई। उपस्थितजनों ने शपथ लिया कि हमेशा राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा के लिए समर्पित रहेंगे और देशवासियों में भी इस भावना का प्रचार प्रसार करेंगे एवं देश की आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अपना योगदान देंगे। इस अवसर पर अधीक्षण अभियंता द्वय श्री बी.के.कुमरे एवं श्री एच.के.मेश्राम, कार्यपालन अभियंता द्वय श्री बी.के.बोरीकर एवं श्री एस.एस.बघेल सहित समस्त अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे।

बिलासपुर में कर्मचारियों का प्रशिक्षण संपन्न

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कम्पनी के क्षेत्रीय प्रशासकीय भवन स्थित कार्यालय में लाईन कर्मचारियों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ। सी और डी तकनीकी कर्मचारियों को प्रशिक्षण देने के लिए कार्यक्रम क्षेत्रीय प्रशिक्षण केन्द्र बिलासपुर में रखा गया था। आर. ई. सी के सहयोग से आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 06 से 09 अक्टूबर 2015 तक किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ कार्यपालक निदेशक श्री पी.के.अग्रवाल द्वारा किया गया। उन्होने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रशिक्षण से कार्यकुशलता एवं तकनीकी ज्ञान में वृद्धि होती है। प्रशिक्षण का एक उद्देश्य यह भी होता है कि कर्मचारी आपस में मिल कर चर्चा करें और एक-दूसरे की बेहतर कार्यशैली को ग्रहण कर, अपने कार्य को और बेहतर बनाये। प्रशिक्षण में विद्युत अधिनियम 2003, दिन दयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना, बिजली की बुनयादी स्त्रोत, त्वरित विद्युत विकास, एवं सुधार कार्यक्रम, लाईन निर्माण, नई लाईनों का कमीशनिंग लाईन इस्पेक्शन और रख-रखाव, अर्थिगअर्थ टेस्टर, अर्थ रेसिस्टेंट, टंऊसफार्मर रिपेरिंग, 33/11 केव्ही सबस्टेशन, मीटरिंग की बुनयादी बाते, एवं मीटरों के प्रकार, केपीसिटर, अग्निशमन, उपभोक्ता संबंध, लाईनमेंन के कर्तव्य, ऊर्जा मापक एवं विद्युत चोरी रोकथाम जैसे विषयों पर व्याख्यान दिये गये।

इस कार्यक्रम के वक्ता एवं संयोजक श्री जी.पी. सोनवानी, अधीक्षण अभियंता एवं सी.एम. बाजपेयी, सहायक अभियंता उपस्थित थे।

बिलासपुर क्षेत्र में विदाई समारोह

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित बिलासपुर क्षेत्र से सेवानिवृत्त हुए अधिकारियों/कर्मचारियों को क्षेत्रीय मुख्यालय बिलासपुर में आयोजित समारोह में 31 अक्टुबर 2015 को भावभीनी विदाई दी गई। कार्यपालक निदेशक श्री पी.के.अग्रवाल ने सेवानिवृत्त हुए अधिकारियों /कर्मचारियों की सेवायात्रा को विद्युत विकास के लिये बहुमूल्य निरूपित किया तथा सेवानिवृत्तजनों की कार्यकुशलता के अनुभव का लाभ लेते हुए ऐसी परंपरा को आगे बनाये रखने की उन्होने कामना की।

इस अवसर पर सेवानिवृत्तजनों को पॉवर कंपनी की तरफ से देय प्रतिकात्मक भेंट तथा विभिन्न प्रकार के भुगतानों के धनादेश प्रदान किये गये। विदाई समारोह में पॉवर कंपनी से सेवानिवृत्त हुए प्रशासनिक अधिकारी श्री पी.एल.पटेल, श्रीमती मंजू शुक्ला, श्री शिव प्रसाद टोडर, श्री नन्द लाल यादव, श्री सत्यवादी इजारदार, श्री हिम्मत राम कौशिक, श्री अरूण कुमार प्रसाद, ने अपनी सेवायात्रा के दौरान अधिकारियों/कर्मचारियों से मिले सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया। विदाई समारोह में अति0 मुख्य अभियंता श्री टी.के.मेश्राम, अधीक्षण यंत्री श्री पी.एल सिदार, श्री ए0के0 श्रीवास्तव, श्री जी.पी.सोनवानी, कार्यपालन यंत्री श्री सी.बी.एस. राठौर एवं कार्यालय के समस्त कर्मचारी उपस्थित थे। समारोह का संचालन श्री आर.पी.गुरूदीवान कल्याण अधिकारी एवं मुकेश माथुर प्रकाशन सहायक द्वारा किया गया।

मड़वा परियोजना में बढ़ी स्वास्थ्य सुविधायें

मड़वा तेन्दूभाठा ताप विद्युत परियोजना परिसर में 5 अक्टूबर 2015 को एंबुलेस रूम का उद्घाटन कार्यपालक निदेशक श्री ए.के. सिंह के द्वारा किया गया। फलस्वरूप परियोजना के कर्मचारियों व श्रमिकों को परिसर में ही तुरंत स्वास्थ्य सुविधाएं मिलने लगेंगी। एंबुलेस रूम में डॉक्टर के साथ पूरा स्टॉफ तैनात रहेगा। किसी भी आपात स्थिति में मरीजों को तुरंत रेफर किया जा सकेगा। इस मौके पर अतिरिक्त मुख्य अभियंताद्वय श्री पीपी. मोड़क, श्री एसपी. चेलकर, वरिष्ठ कल्याण अधिकारी श्री एसके. शर्मा, वरिष्ठ चिकित्साधिकारी श्रीमती वी. थामस, डॉ. नीलेष सिंह, डॉ. बसंत पहारे समेत उनकी टीम और परियोजना के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद थे।

डी.एस.पी.एम. विद्युत गृह में क्लोरीन रिसाव रोकने मॉकड्रिल

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह कोरबा में 28. सितम्बर को क्लोरीन रिसाव रोकने सफल प्रदर्षन किया गया। इसके लिये सायं - 16.33 बजे क्लोरीन संयंत्र की क्लोरीन लीकेज को बताने वाले विशेष पैटर्न में सायरन बजने लगी जिससे अधिकारी एवं कर्मचारी चौकन्ने हो गए।

ऐसे समय में क्लोरीन संयंत्र के कंट्रोल रूम में उपस्थित पाली रसायनज्ञ श्री उमेश ठाकुर ने वरिष्ठ रसायनज्ञ को सूचना दी वरिष्ठ रसायनज्ञ ने जांच करने पर अलार्म को सही बजना पाया एवं उन्होंने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए क्लोरीन संयंत्र में स्थित इमरजेंन्सी सायरन बजाने हेतु कहा। क्लोरीन संयंत्र के नियंत्रण कक्ष से ही मुख्य नियंत्रण कक्ष, सुरक्षा विभाग एवं बग्निशमन विभाग तथा चिकित्सालय को सूचना दे दी गई।

सायरन की आवाज सुनकर कार्य घटना नियंत्रक वरिष्ठ रसायनज्ञ देवेश दुबे, सहित सभी संभाग के प्रमुख अधिकारी तत्काल घटना स्थल के पास पहूँच गये और हवा की दिशा से हटकर खड़े हो गए। सुरक्षा कर्मियों ने घटना स्थल के रास्ते को सावधान पट्टी से घेर दिया ताकि अनावश्यक लोग घटना स्थल के पास जाने के कारण कार्य में अवरोध तथा स्थिति की गंभीरता में वृद्धि न हो पाए।

आपात स्थिति का सायरन सुनकर अग्निशमन विभाग के कर्मचारी फायर-टेन्डर के साथ पहूँचे एवं कोरबा पूर्व चिकित्सालय से एम्बुलेन्स भी तत्काल घटना स्थल पर पहुँचे। अग्नि षमन विभाग के कर्मियों ने जल पर्दे का निर्माण किया ताकि क्लोरीन के प्रवाह को जन समूह की ओर बढ़ने से रोका जा सके

पाली रसायनज्ञ श्री ठाकुर एवं श्री वी.के.आडिल के मार्गदर्षन में रसायन संभाग के कर्मचारी सुरक्षा वस्त्र एवं सेल्फ कंटेन्ड ब्रिदिंग आपरेटस पहनकर बग्निशमन कर्मियों के सहयोग से रिसाव रोकने के कार्य में जुट गए। इमरजेन्सी किट बी का उपयोग रिसाव रोकने में किया गया।

रिसाव पर नियंत्रण पाने के पश्चात् मुख्य रसायनज्ञ श्री आर.के.राय ने श्री कुरती कुमार अधीक्षण यंत्री (मानव संसाधन) वरिष्ठ रसायनज्ञ देवेष दूबे एवं मुख्य संरक्षा अधिकारी श्री प्रेमजी पटेल आदि के साथ घटनास्थल का निरीक्षण किया तथा वस्तुस्थिति का जायजा लेने के पश्चात् 16.50 बजे सामान्य स्थिति का सायरन बजवाया। इस तरह मात्र 18 मिनट में ही आपात स्थिति को नियंत्रित कर लिया गया। इस क्रार्यक्रम के संयोजक मुख्य रसायनज्ञ श्री आर.के.राय एवं मुख्य संरक्षा अधिकारी श्री प्रेमजी पटेल के सहयोग एवं मार्गदर्शन से यह मॉकड्रिल सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। इसमें वरिष्ठ बग्निशमन अधिकारी श्री एम.के.रायकवार एवं सुरक्षा अधिकारी आर.के.चौरे एवं आर.पी.टंडन कार्यपालन यंत्री (संचालन) का विशेष सहयोग रहा।

कार्यपालन अभियंता श्रीवास्तव को सेवानिवृत्ति पर विदाई

मड़वा तेन्दूभाठा ताप विद्युत परियोजना में 31 अक्टूबर 2015 को कार्यपालन अभियंता श्री वीके श्रीवास्तव को सेवानिवृत्ति पर विदाई दी गई। उन्होंने बिजली बोर्ड में साढ़े 39 साल सेवाएं दी हैं। उनके सेवानिवृत्ति पर अतिरिक्त मुख्य अभियंता सिविल श्री ए.के. जैन और अधीक्षण अभियंता आरपी निगम ने परियोजना की ओर से उन्हें स्वस्थ्य व मंगलमय जीवन की लिए शुभकामनाएं दीं। अधीक्षण अभियंता (मा. संसा.) श्री एल. एन चौधरी ने श्री श्रीवास्तव को सेटलमेंट का चेक सौंपा। सहकर्मियों और अफसरों के इस अपनेपन के लिए श्री श्रीवास्तव ने आभार जताया। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ कल्याण अधिकारी श्री एस.के. शर्मा ने किया। इस मौके पर अतिरिक्त मुख्य अभियंता (उत्पादन) श्री पीपी. मोड़क, अधीक्षण अभियंता

(टेक्निकल) श्री एसएस टेकाम, अधीक्षण अभियंता (सिविल-3) श्री एस.के नायर, कार्यपालन अभियंता (मा. संसा.) एस. जार्ज, कार्यपालन अभियंता (सिविल-1) श्री एस.के दुबे समेत परियोजना के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद थे।

पॉवर कंपनी बिलासपुर क्षेत्र के कर्मचारियों की भावभीनी विदाई

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित बिलासपुर क्षेत्र से सेवानिवृत्त हुए अधिकारियों/कर्मचारियों को क्षेत्रीय मुख्यालय बिलासपुर में आयोजित समारोह में 30 सितम्बर 2015 को भावभीनी विदाई दी गई। कार्यपालक निदेशक श्री पी.के. अग्रवाल ने सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों की सेवायात्रा को विद्युत विकास के लिये बहुमूल्य निरूपित किया तथा सेवानिवृत्तजनों की कार्यकुशलता के अनुभव का लाभ लेते हुए ऐसी परंपरा को आगे बनाये रखने की उन्होने कामना की।

इस अवसर पर सेवानिवृत्तजनों को पॉवर कंपनी की तरफ से देय प्रतिकात्मक भेंट तथा विभिन्न प्रकार के भुगतानों के धनादेश प्रदान किये गये। विदाई समारोह में पॉवर कंपनी से सेवानिवृत्त हुए श्री कमल किशोर प्रसाद, कार्या. सहा. श्रेणी-दो, कार्यालय कार्यपालन यंत्री (संचा/संधा) संभाग, जशपुर एवं श्री जुठेल केंवट, परिचारक श्रेणी-दो, कार्यालय कार्यपालन यंत्री (संचा/संधा) संभाग, मुंगेली ने अपनी सेवायात्रा के दौरान अधिकारियों/कर्मचारियों से मिले सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया। विदाई समारोह में अति. मुख्य अभियंता श्री टी.के.मेश्राम, अधीक्षण यंत्री, श्री जी.पी.सोनवानी, श्री व्ही.आर. मौर्या, श्री पी.एल. सिदार, कार्यपालन यंत्री श्री सी.बी.एस. राठौर, उपस्थित थे। समारोह का संचालन श्री आर. पी. गुरूदीवान कल्याण अधिकारी एवं मुकेश माथुर प्रकाशन सहायक द्वारा किया गया।

तिलक ने कारागार में भी किया तत्व चिंतन

बाल गंगाधर तिलक भारत के स्वतंत्रता संग्राम के अग्रणी थे पर साथ ही साथ वे अद्वितीय कीर्तनकार, तत्वचिंतक, गणितज्ञ, धर्म प्रवर्तक और दार्शनिक भी थे। हिन्दुस्तान में राजकीय असंतोष मचाने वाले इस करारी और निग्रही महापुरूष को अंग्रेज सरकार ने मंडाले के कारागृह में छः साल के लिए भेज दिया।

यहीं से उनके तत्व चिंतन का प्रारंभ हुआ। दुख और यातना सहते-सहते शरीर की व्याधियों ने घेर लिया था। ऐसे में ही उन्हें अपने पत्नी के मृत्यु की खबर मिली। उन्होंने अपने घर एक खत लिखा- आपका तार मिला। मन को धक्का तो जरूर लगा है। हमेशा आये हुये संकटों का सामना मैंने धैर्य के साथ किया है। लेकिन इस खबर से मैं थोड़ा उदास जरूर हो गया हूं। हम हिंदू लोग मानते हैं कि पति से पहले पत्नी की मृत्यु आती है तो वह भाग्यवान है, उसके साथ भी ऐसे ही हुआ है। मेरी गैरमौजूदगी में बच्चों को ज्यादा दुख होना स्वाभाविक है।

उन्हें मेरा संदेश पहुंचा दीजिए कि जो होना था वह हो चुका है। इस दुख से अपनी और किसी तरह की हानि न होने दे, पढ़ने में ध्यान दें, विद्या ग्रहण करने में कोई कसर न छोड़े। मेरे माता-पिता के देहांत के समय मैं उनसे भी कम उम्र का था। संकटो की वजह से ही स्वावलंबन सीखने में सहायता मिलती है। दुख करने में समय का दुरूपयोग होता है।

रघुवर दयाल को पीएचडी अवार्ड

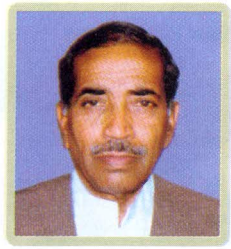

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत कंपनी के पूर्व उपमहाप्रबंधक (औद्योगिक संबंध) डॉ. रघुवर दयाल सिंह ने डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (पीएचडी) की उपाधि प्राप्त की है। सेवानिवृत्त डॉ. सिंह को यह उपाधि पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय से कला संकाय अंतर्गत हिन्दी विषय में मिली है। श्री सिंह ने ''श्रीमद्भगवद्-गीता में अंतर-निहित लोकमंगल की भावना का प्रेमचंद के उपन्यास साहित्य पर प्रभाव'' पर अपना शोध प्रबंध प्रस्तुत किया था। इस शोध प्रबंध में श्री सिंह ने गीता में निहित कर्मयोग का समाज में मंगलकारी प्रभाव व उद्देश्य समझाने का प्रयास किया है। डॉ. सिंह ने अपना शोध शासकीय महाविद्यालय वैशालीनगर भिलाई के हिंदी प्राध्यापक व शोध निर्देशक डॉ. कैलाश शर्मा के दिशा-निर्देश में पूरा किया। स्वाध्याय में रूचि रखने वाले बहुमुखी प्रतिभा के धनी डॉ. रघुवर दयाल सिंह ने अपने सेवाकाल में ही प्रकृति चिकित्सा एवं योग पर डॉक्टरेट कर लिया था। इंदौर में पदस्थापना के दौरान उन्हें लोक-गीता (श्रीमद्भगवद्-गीता का काव्यमय रूप) की रचना का श्रेय भी प्राप्त है।

रायपुर क्षेत्र में विदाई समारोह

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कम्पनी गुढ़ियारी रायपुर से सेवा निवृत्त हुए वरिष्ठ लेखाधिकारी-एक (चालू प्रभार) श्री ध्रुव कुमार पाठक और अनुभाग अधिकारी श्री जनार्दन प्रसाद अवधिया को भावभीनी विदाई दी गई। कार्यपालक निदेशक श्री एम.एल. मिश्रा द्वारा सेवा निवृत्त हाने वाले अधिकारियों को पुष्प-गुच्छ के साथ शॉल, श्रीफल, सेवा प्रमाण-पत्र, हाथ घड़ी तथा प्रतीकात्मक भेंट प्रदान किया। उन्होंने सेवानिवृत्तजनों के सुखमय जीवन की कामना करते हुये उनकी सेवाओं को कंपनी हित के लिये एक अनमोल उपहार निरूपित किया। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री जे.एस.नेताम, अधीक्षण अभियंता सर्वश्री पी.के.खरे, आर.ए.पाठक के साथ कार्यपालन अभियंता श्री पी.एस.यादव, प्रशासनिक अधिकारी श्री प्रकाश तलवार, लेखाधिकारी श्री बी.के.अग्रवाल के साथ ही अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित थे। समारोह में सेवानिवृत्त हो रहे अधिकारी श्री पाठक एवं श्री अवधिया ने अपने संस्मरण सुनाये. कार्यक्रम का संचालन कल्याण अधिकारी श्री दीनानाथ वर्मा द्वारा किया गया.

मड़वा परियोजना में हुआ दो दिवसीय हवन-पूजन और शांतिपाठ

मड़वा तेन्दूभाठा ताप विद्युत परियोजना में 24 व 25 अक्टूबर को दो दिनों तक हवन-पूजन किया गय। इसमें शांतिपाठ और सर्वधर्म प्रार्थना भी की गई। परियोजना में शांति, सद्भाव और संयंत्र की दोनों इकाइयों के सुचारू संचालन की कामना को लेकर इस हवन-पूजन का आयोजन रखा गया था। इस शुभ अवसर पर परियोजना के कार्यपालक निदेशक श्री ए.के. सिंह के हाथों सर्विस बिल्डिंग का उद्घाटन भी किया गया। 25 अक्टूबर को हुए शांति पाठ व सर्वधर्म प्रार्थना पुजारियों के बाद हाजी सिराजुद्दीन, श्री एन.डी.गौरी, श्री धन मसीह और गुरुद्वारा ग्रंथी द्वारा कराई गई। कार्यपालक निदेशक ने सभी धर्मों के प्रतिनिधियों को सम्मान स्वरूप शाल भेंट की। कार्यक्रम के समापन पर 26 अक्टूबर को महाभोग का आयोजन हुआ। हवन-पूजन में परियोजना के सभी अधिकारी, कर्मचारी और श्रमिकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह में 'हिन्दी सप्ताह' सम्पन्न

डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह में 14 से 22 सितम्बर 2015 तक 'हिन्दी सप्ताह' आयोजन किया गया। हिन्दी सप्ताह के अवसर पर शुद्धलेखन, नारा, कविता, वर्ग पहेली, हिन्दी प्रशासनिक कार्यप्रणाली एवं हिन्दी प्रष्नमंच स्पर्धा में अधिकारियों/कर्मचारियों ने अपनी भागीदारी दी। स्पर्धा के विजेताओं को कार्यपालक निदेशक (उत्पा.) श्री एम.एस.कंवर, (अति.मुख्य अभियंता) श्री बी.एन.बिष्वास अधीक्षण अभियंता सर्वश्री राजेष वर्मा जार्ज एक्का, बी.के. शर्मा, ने पुरस्कृत किया।

शुद्धलेखन प्रतियोगिता में:- श्रीमती स्नेहलता एक्का, प्रथम, श्री मनजीत सिंह, द्वितीय, श्री शैलेष गुप्ता, तृतीय स्थान पर रहे। नारा प्रतियोगिता में वन्दना ठाकुर, प्रथम, श्री एस.एस.खुंटे, द्वितीय, कु. प्रीति पालीवाल, संतोष कुमार द्वितीय, कु.सुहावनी राजवाड़े तृतीय स्थान पर रहे। कविता प्रतियोगिता में श्रीमती सुनंदा सोनी, प्रथम, श्री विनोद त्रिवेदी, द्वितीय, कु. प्रीति पालीवाल, तृतीय स्थान पर रहे। इसी प्रकार ठेका श्रमिक वर्गः- श्री संतोष कुमार प्रथम, श्री पुरूषोश्रम कुमार यादव, द्वितीय कु. ज्योति जेम्स तृतीय स्थान पर रहे। इसी प्रकार, हिन्दी वर्ग पहेली प्रतियोगिता में:- चित्रलेखा शाक्य, प्रथम, श्रीमती स्नेहलता एक्का, द्वितीय, श्री प्रेमजी पटेल, तृतीय स्थान पर रहे। हिन्दी प्रशासनिक कार्य-प्रणाली प्रतियोगिता में:- श्री अजय जोषी, प्रथम, श्री ए.के.अंजय, द्वितीय, श्री शैलेष गुप्ता, तृतीय स्थान पर रहे। प्रष्न मंच का संचालन श्रीमती लखनी साहू, द्वारा किया गया। श्रीमती अर्चना जोषी, द्वारा सरस्वती वन्दना एवं कविता प्रस्तुत किया गया।

हिन्दी सप्ताह के सफल आयोजन में हिन्दी परिषद के अध्यक्ष श्री कुर्तीकुमार, की उल्लेखनीय भूमिका रही। आभार प्रदर्षन कल्याण अधिकारी श्री पी.आर.खुण्टे द्वारा किया गया।

मच्छर की अपील

बेवजह किसी को सताया नहीं करते, यूं ही किसी को तड़पाया नहीं करते।
जिनकी साँसें चलती हों आपके खून से, 'ऑल आउट' जला कर उन्हें भगाया नहीं करते

लोककला संवर्धन हेतु सांसद श्री ताम्रध्वज साहू से सम्मानित हुये विजय मिश्रा

छत्तीसगढ राज्य पॉवर होल्डिंग कंपनी के उपमहाप्रबंधक (जनसम्पर्क) श्री विजय मिश्रा को छत्तीसगढ़ी लोक संस्कृति में विशेष योगदान देने के लिए माननीय सांसद श्री ताम्रध्वज साहू के हाथों सम्मानित होने कागौरव प्राप्त हुआ। केम्प-1, भिलाई में आयोजित लोक सांस्कृतिक कार्यक्रम ''अनुरागधारा'' की प्रस्तुति के पूर्व सांसद श्री साहू ने शाल, श्रीफल एवं प्रतीकात्मक भेंट देकर ''लोककला साधक'' के रूप में श्री विजय मिश्रा को अंलकृत किया।

उन्होंने इस अवसर पर कहा कि छत्तीसगढ़ी लोककला संस्कृति ने राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश को विशेष पहचान दी है। ऐसी अनूठी सांस्कृतिक परंपराओं के साथ ही लोकमंच के माध्यम से बेटी बचाओ - बेटी पढ़ाओ, पर्यावरण संरक्षण तथा नशा विरोधी संदेश देने का प्रभावी कार्य कलाकार कर रहे हैं, यह अत्यन्त सराहनीय है।

छत्तीसगढ़ की लता के नाम से मशहूर लोकगायिका श्रीमती कविता वासनिक की संस्था अनुरागधारा के मंच पर प्रदेश के लोकनृत्य, पर्व एवं परंपराओं की सजीव प्रस्तुति का संचालन श्री मिश्रा द्वारा किया गया। प्रदेश में प्रचलित हाना (कहावत) जनऊला (पहेली) का रोचक इस्तेमाल करते हुये उन्होंने हिन्दी और छत्तीसगढ़ी भाषा में संदेश देते हुये हजारों दर्शकों को आकृष्ट किया। इस अवसर पर भिलाई नगर निगम की महापौर श्रीमती निर्मला यादव सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

मड़वा में विदाई समारोह

मड़वा तेन्दूभाठा ताप विद्युत परियोजना में दो कर्मचारियों को सेवानिवृत होने पर विदाई दी गई। 30 सितंबर 2015 को शाम 04 बजे परियोजना के कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित इस कार्यक्रम में कार्यपालक निदेशक श्री एके. सिंह ने प्लांट सुपरवाइजर-तीन श्री पी.के. कौशिक और प्लांट अटेंडेंट ग्रेड-2 श्री बरनदास वैष्णव को स्मृति चिन्ह और सेवा प्रमाण-पत्र प्रदान किया। कार्यपालक निदेशक श्री सिंह ने परियोजना की ओर से उन्हें स्वस्थ्य व मंगलमय जीवन की लिए शुभकामनाएं दीं। बता दें कि श्री बरनदास वैष्णव ने स्वैच्छिक सेवानिवृति ली है। सेवानिवृत हो रहे दोनों कार्मचारियों ने सहकर्मियों और अफसरों का इस अपनेपन व स्नेह के लिए आभार जताया। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ कल्याण अधिकारी श्री एसके. शर्मा ने किया। इस मौके पर अतिरिक्त मुख्य अभियंता (उत्पादन) श्री पीपी. मोड़क, अतिरिक्त मुख्य अभियंता (परियोजना) श्री एस.पी. चेलकर, अतिरिक्त मुख्य अभियंता (सिविल) श्री एके. जैन समेत परियोजना के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद थे।

संकल्प महिला मंडल कोरबा पश्चिम का "हरियाली तीज" महोत्सव

हसदेव ताप विद्युत गृह आवासीय परिसर, संकल्प महिला मंडल द्वारा हरियाली तीज उत्सव हर्षोल्लास एवं धूमधाम से मनाया गया। इस रंगारंग कार्यक्रम में नये एवं पुराने संगीत एवं नृत्य की आकर्षक प्रस्तुतियां दी गई।

कार्यक्रम में फैशन शो का भी आयोजन किया गया। इस दौरान श्रीमती मीनाक्षी भूषण 'हरियाली क्वीन', श्रीमती निर्मल चौधरी प्रथम रनर अप तथा श्रीमती सावित्री पवार द्वितीय रपर अप चुनी गयी। महिला मण्डल की अध्यक्षा श्रीमती पुष्पलता कपिला ने प्रतिभागी महिलाओं की प्रस्तुति की प्रशंसा की।

उपाध्यक्ष श्रीमती आरती व्यास, श्रीमती कल्याणी बिजौरा, श्रीमती शुभा गोवर्धन व श्रीमती हंसा सेलट ने सदस्याओं का उत्साह बढ़ाया। कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्य रूप से सचिव श्रीमती अपर्णा दीवान, कोषाध्यक्ष श्रीमती पदमा राव, सांस्कृतिक सचिव श्रीमती निहारिका शर्मा, श्रीमती सीमा दुबे, खेल सचिव श्रीमती अर्चना डोंगरे, श्रीमती अनीता आजाद एवं सहसचिव नीलम ओझा का विशेष योगदान रहा। प्रेरणा महिला मण्डल कोरबा पूर्व की समिति सदस्याएं विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रही एवं कार्यक्रम का आनंद उठाया।

निज भाषा उन्नति अहै सब उन्नति का मूल

हसदेव ताप विद्युत गृह कोरबा पश्चिम में आयोजित हिन्दी सप्ताह के दौरान कार्यपालक निदेशक श्री ओ.सी. कपिला ने हिन्दी के सरलीकरण सहित अधिकाधिक प्रयोग पर जोर दिया। इसी क्रम में वरिष्ठ रसायनज्ञ श्री पी.के. सेलट ने हिन्दी के इतिहास एवं वर्तमान स्थिति पर अपने विचार व्यक्त किये। हिन्दी सप्ताह के अंतर्गत 'निज भाषा उन्नति अहै सब उन्नति का मूल' को प्रचारित करते हुए हिन्दी भाषण, कविता, शुद्ध लेखन, नारा, वर्ग पहेली आदि स्पर्धा का आयोजन किया गया जिसमें सर्वश्री कमलेश ठाकुर, ए.डी. शर्मा, एस.सईद, एस.डी. कुलदीप, अभिनव एक्का, लेखराम पटेल, पवन ठाकुर, मोहम्मद शब्बीर मेमन, मोहम्मद अब्दुल सलाम, मणिकांत शुक्ला, जांन नेल्सन, ज्योति वर्मा, मालती जोशी पुरस्कृत किये गये। कार्यपालन अभियंता श्री एस.एन. चोरनेले को हिन्दी में उत्कृष्ठ कार्य करने हेतु हिन्दी परिषद द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अधीक्षण अभियंता द्वय सर्वश्री एफ. कुजूर, नरेन्द्र शर्मा सहित बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारीगण उपस्थित थे। कार्यक्रम के संयोजन में वरिष्ठ कल्याण अधिकारी श्री पी.के. दवे तथा सर्वश्री आर.के. वर्मा एवं जमुना भारिया का विशेष योगदान रहा।

नगर संभाग पश्चिम, रायपुर कार्यालय में मना "तीज महोत्सव"

नगर संभाग पश्चिम, छ.रा.वि.वित.कं.मर्या, रायपुर की महिलाओं द्वारा तीज महोत्सव का कार्यक्रम 9 सितम्बर को आयोजित किया गया जिसमें नगर संभाग पश्चिम के अलावा डंगनिया मुख्यालय की महिलाओं को भी आमंत्रित किया गया था। तीज महोत्सव के उपलक्ष्य में व्यंजनों के स्वाद के साथ उपहार का आदान प्रदान किया गया।

प्रतिवर्ष की भांति नगर संभाग पश्चिम की महिलाओं द्वारा इस वर्ष भी तीज महोत्सव धूमधाम से मनाया गया जिसमें डंगनिया परिसर के कार्यालय से महिलाओं ने उत्सुकता से भाग लिया एवं सभी की उपस्थिति में महोत्सव सानंद संपन्न हुआ।

नगर संभाग पश्चिम से श्रीमति अन्नपूर्णा ठाकुर, भारती शर्मा, पूर्मिमा दुबे, एम. प्रभा, सुरभि गनोदवाले, माधु मालू, मीनाक्षी वर्मा, मीना रावले, सरिता त्रिपाठी, अनुप्रिया मिश्रा, किरण शर्मा, स्वतंत्र चंद्राकर, मनीषा डे, श्रीमती ठाकुर, एवं श्रीमती खाण्डेकर प्रमुख रूप से उपस्थित थी।

मनाली-लेह का मोटरसाईकिल से सफरनामा

सैर कर दुनिया की गालिब जिन्दगानी फिर कहां, जिन्दगानी गर रही तो नौजवानी फिर कहां?

इसे चरितार्थ करने की चाहत लिए हुए 29 जून से 8 जुलाई 2015 तक मोटर साइकिल के माध्यम से मनाली-लेह की रोमांचक यात्रा को पूरा किया।

"Ride of my life" दिल्ली के द्वारा आयोजित इस साहसिक यात्रा दल में छत्तीसगढ़, गुजरात, कनार्टक सहित स्वीडन के 24 पुरूष एवं 03 महिला यात्री शामिल थे। यात्रा के पूर्व 29 एवं 30 जून को रांयल एनफील्ड 500 सीसी. मोटर साइकल शार्ट ट्रायल का प्रशिक्षण सहित इस रोमांचकारी यात्रा से संबंधित संक्षिप्त विवरण हमे दिया गया। मनाली में 90 किलोमीटर टेढ़े मेढे कठिन पहाड़ी रास्तों पर पांवर फुल बाइक को चलाने का ट्रायल रन संस्था के एक्सपर्ड लीडर द्वारा करवाया गया।

मन में अद्भुत जोश और उमंग लिये हमारी यात्रा 01 जुलाई की सुबह 5.00 बजे मनाली से आरंभ हुई। हल्की बारिश और ठंड के बीच पहाड़ी रास्ते पर सरसराती हवाओं को चिरते हमने 50 किलोमीटर का सफर तय कर रोहतांक पड़ाव को पार किया। वहां सड़क के किनारे तथा ऊंची-ऊंची चोटियों में जमी हुई बर्फ की चमक सीसे की भांति प्रतीत हो रही थी। दुनिया भर के पर्यटकों का प्रिय स्थल रोहतांक पास है, यह स्कीन्ग और स्नो स्कुटर के लिए प्रसिद्ध है। यहां के मनोरम विहंगम दृश्य के बीच लगभग दो घण्टे तक खोये रहने के उपरांत भारी मन से अपने मोहित मन को वहां से अलग करते हुये हम आगे की यात्रा पर निकल पड़े और लगभग 40 कि.मी. की दूरी पर स्थित ग्रामफु गांव होते हुए पहला पड़ाव (10000 फीट ऊंचाई) सिसु (जिसे स्थानीय भाषा में खागलिंग कहा जाता है) पहुंचे। यहां पहाड़ों के बीच बहती हुई चन्द्रा नदी के मनोरम तट एवं पालदेन लामो प्रपात के सामने बनाये गये लक्जरी टेन्ट में रात्रि विश्राम किये।

अगले दिन सुबह 9 बजे सिसु से यात्रा आरंभ कर रालिंग, खांगसर, गोंडला, थोरांग से होते हुए तांडी पहुंचे जहां कि इस रास्ते का आखिरी पेट्रोल पम्प पड़ता है इसके बाद 375 कि.मी. आगे केवल लेह में ही पेट्रोल पम्प स्थित है। अतः यहां सबने मोटर साईकिल में पेट्रोल भराये और अलग से कनस्तर में भी पेट्रोल रख लिये। पेट्रोल की पर्याप्त उपलब्धता हमें उत्साहित करती रही और हम पुनः वहां से आगे बढ़ते हुए जिस्पा, धारचा, पटसेव होते हुए लगभग शाम 4:30 बजे सूरजताल पहुंचे, जहां कि पहाड़ों के बीच प्राकृतिक रूप से निर्मित मनमोहक तालाब को अपलक निहारते रहे, और फिर आगे बारालाचा-ला (16040 फीट ऊंचाई) पहुंचे। यह क्षेत्र बर्फ से पूरी तरह ढंका हुआ था। यहां का प्राकृतिक दृश्य अत्यंत मनोरम होने के बावजूद हमें वहां ज्यादा समय तक रूक कर वातावरण का आनंद लेने से रोक रहा था। क्योंकि अत्यधिक ऊंचाई के कारण सांस लेने में कठिनाई हो रही थी। स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ने की संभावना को भांपते हुये हमारा यात्री दल आगे बढ़ते हुए लगभग 141 कि.मी. का सफर तय करते हुये सरचू (14000 फीट ऊंचाई) पहुंचा। यहां रात्रि विश्राम की पूर्व निर्धारित योजना थी। सरचु अत्यधिक ऊंचाई पर स्थित है अतः यहां पर भी रात्रि में विश्राम के समय सांस लेने में कठिनाई महसूस हो रही थी।

यात्रा के तीसरे दिन सुबह 8 बजे अगले पड़ाव की ओर हम निकल पड़े। घुमावदार पहाड़ी रास्ते पर सारप चू नदी के किनारे- किनारे ऊंचाईयों पर आगे बढ़ते हुए नकीला (15547 फीट ऊंचाई) पहुंचे। यहां के पहाड़ परतदार मुलायम भुरभुरी चट्टानों से बने हुये हैं जिसे देखने पर लगता था कि ये चट्टानें कभी भरभरा कर हमारे ऊपर गिर सकती हैं। यहां हिमालयन ब्लू सिफ (भारतीय नीली भेंड़) का झुण्ड देखने का सुखद अवसर हमें प्राप्त हुआ। इसके 75 कि.मी.बाद दोपहर 12 बजे हम पांग पहुंचे। यहां पर भोजन एवं अल्प विश्राम के लिये लद्दाख निवासियों ने टेन्ट में रेस्तारेंट बनाये हुए हैं। यहां से 175 कि.मी. आगे अगला पड़ाव लेह के लिये प्रस्थान किये।

आगे ऊंची-ऊंची चट्टानों के बीच रास्ते से गुजरते हुए 12 कि.मी. चढ़ाई के बाद, लगभग 40 कि.मी. तक दोनों ओर पहाड़ों के बीच समतल पक्की सडक़ पाकर हम झूम उठे। समतल सड़क का फायदा उठाते हुये हवा से बातें करते हुये हम लोंगों ने लगभग 120 कि.मी. की गति से बाईक्स को तेज भगाने का रोमांचक आनंद लिया। आगे बढ़ते हुए रूम्ट्से, ग्याओ, लाटो, मीरू होते हुए उपशी पहुंचे, जो सिन्धु नदी के किनारे बसा हुआ एक छोटा सा ग्राम है। यहां पर थोड़ीदेर विश्राम करने के बाद आगे बढ़ते हुए शाम 7:30 बजे लेह पहुंचे। इस तरह हमने तीसरे दिन 280 कि.मी. की यात्रा पूरी की। लेह में एक दिन भरपूर विश्राम के उपरांत अपने अगले पड़ाव खारदुंग ला (18 380 फीट ऊंचाई) के लिये निकल पड़े। लेह से 40 कि.मी. की दूरी पर स्थित खारदुंग ला के रास्ते में जगह जगह इक सफेद बर्फ जमी थी। यूं प्रतीत हो रहा था मानो बर्फ की चादर बिछा दी गई हो। लगभग 12:00 बजे दोपहर को हम खारदुंग ला पहुंचे।

खारदुंग ला दर्रा को पहले के टांप और लोअर कासेल का दर्रा के नाम से भी जाना जाता है। 18 380 फीट की ऊंचाई पर स्थित, खारदुंग ला दुनियां का सबसे ऊंचा गाड़ी चलाने योग्य सड़क के रूप में घोषित किया गया स्थल है। यह सड़क, भारतीय सेना के सीमा सड़क संगठन ने बनाया है और उन्हीं की देखरेख में संचालित है। यह स्थान 18380 फीट की ऊंचाई पर स्थित है अतः यहां पर पर्यटकों को 15 से 20 मिनट तक ही रूकने की अनुमति है क्योंकि आक्सीजन की कमी के कारण अधिक समय तक रूकने से पर्यटकों को कई शारीरिक समस्या शुरू हो जाती है। यहां पर बौध्द स्तूप और सेना का पोस्ट है। 15-20 मिनट ठहरने

के बाद हम सब वापस लेह आ गये।

अगले दिन लेह से 180 कि.मी. दूर पेगांग झील के लिये हम रवाना हुये। रास्ते में हमें 17668 फीट ऊंचाई पर स्थित चांग-ला दर्रा स्थान प्राप्त हुआ यह दुनियां का दूसरा सबसे ऊंचा गाड़ी चलाने योग्य सड़क है। यहां पर चांग- ला कैफेटेरिया है जो लेह पर्यटन विकास निगम द्वारा संचालित है यह दुनिया का सबसे ज्यादा ऊंचाई पर स्थित कैफेटेरिया है। अपनी यात्रा में आगे बढ़ते हुये हम लगभग 5.00 बजे शाम को पेगांग झील पहुंचे। 134 कि.मी. लम्बी यह नमकीन पानी की झील 14200 फीट ऊंचाई पर स्थित है। यह लद्दाख से तिब्बत तक जाती है लेकिन इसका दो तिहाई हिस्सा चीन के पास है। हमें यहां यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता हुई कि इसी झील के तट पर फिल्म थ्री एडियट के आखिरी सीन की शूटिंग हुई थी।

यात्रा के अंतिम दिन 07 जुलाई को सुबह वापस लेह के लिये हम रवाना हुये। यह 180 कि.मी. की पहाड़ी रास्ते पर बाईक चलाने का आखिरी ट्रिप था। 7 दिनों के रोमांचिक, साहसिक स्वप्निल यात्रा का संस्मरण समृति में संजोये, इस अभियान में शामिल मित्रों से अंतिम दिवस पर विदा लेते गला भर आया था। नम आंखों से एकदूसरे से अलग होते हुए फिर मिलने के वादा के साथ हम अपने अपने शहर के लिये प्रस्थान कर गये।

हम अपने शहर की तरफ बढ़ रहे थे, लेकिन हमारा दिल बार-बार यही दोहरा रहा था कि- ऐसी फिजा न मिलेगी सारे जहां में-जन्नत अगर है कहीं तो हिन्दोस्तां में।

कुरियन फिलिपिंस
वरि. शीघ्रलेखक, कार्या. प्रबंध निदेशक (वितरण कंपनी) रायपुर

बिजली कंपनी के कनिष्ठ अभियंताओं का तीन दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी के क्षेत्रीय प्रशासनिक भवन स्थित कार्यालय में बिलासपुर क्षेत्र के विभिन्न वितरण केन्द्रों में पदस्थ 25 कनिष्ठ अभियंताओं का तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम क्षेत्रीय प्रशिक्षण केन्द्र तिफरा बिलासपुर में रखा गया था। राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 14 से 16 सितम्बर तक किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ कार्यपालक निदेशक(बिक्षे) श्री पी.के.अग्रवाल द्वारा किया गया। उन्होने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रशिक्षण से कार्यकुशलता में वृद्धि होती है जिससे कार्यक्षेत्र में इसका बेहतर परिणाम प्राप्त होता है। प्रशिक्षण में विद्युत वितरण ट्रांसफार्मरों का संचारण एवं संधारण, त्वरित सुधार, खराब होने ये बचाव, बिजली की बुनियादी स्त्रोत, लाईनों की कमीशनिंग, लाईन इंस्पेक्शन एवं रखरखाव, उपभोक्ता संबंध, 33/11 केव्ही सब स्टेशन, विद्युत चोरी की रोकथाम तथा दीनदयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना जैसे विषयों पर जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में श्री जी.पी. सोनवानी, अधीक्षण यंत्री श्री एस.के दुबे, श्री आर.के.लकड़ा, कार्यपालन अभियंता एवं श्री सी.एम. बाजपेयी, श्री अभिमन्यु कश्यप, श्रीमती आशा कुंडू सहायक अभियंता उपस्थित थे।

हमारे गौरव

मीनल चौहान

कार्यपालक निदेशक, रायपुर क्षेत्र के कार्यालय में कार्यरत श्री हरीश कुमार चौहान, कार्यालय सहायक श्रेणी-दो की सुपुत्री कु. मीनल चौहान ने इंजीनियरिंग की पढ़ाई के साथ वर्ष 2013 में एन.सी.सी. एयरविंग में भाग लिया एवं रिपब्लिक डे केम्प-3 में शामिल हुई। वर्ष 2014 में रायपुर में आयोजित कम्बाईन एन्युवल ट्रेनिंग केम्प में 400 कैडेट में से कठिन परीक्षा एवं ट्रेनिंग के आधार पर छत्तीसगढ़ से मात्र 26 कैडेट का चयन वायु सैनिक केम्प-एक, इन्दौर (VSC-1) के लिए हुआ। इस कैम्प में मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ के संयुक्त कैडेटो में से वायु सैनिक केम्प-दो, इन्दौर (VSC-2) के लिए चयनित की गई। कैम्प में ड्रील एवं फ्लाईंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर अखिल भारतीय वायु सैनिक केम्प, बैगलरू (AIVSC) के लिए चयनित हुई। इस संयुक्त टीम में 36 कैडेट में से मात्र 09 युवती थी।

अखिल भारतीय वायु सैनिक कैम्प, बैगलरू में शानदार प्रदर्शन के कारण छत्तीसगढ़ के राज्यपाल माननीय श्री बलरामदासजी टंडन के द्वारा स्वयं के निवास पर मेडल प्रदान कर सम्मान किया गया। इस अवसर पर ब्रिगेडियर श्री आई.जे.एस.चौहान (सेना मेडल समादेशक एन.सी.सी. ग्रुप मुख्यालय रायपुर) ने उपस्थित रह कर कैडेटो का उत्साहवर्धन किया। कु. मीनल चौहान के कार्य के प्रति निष्ठा, कठिन अभ्यास एवं निरंतर सफलता के आधार पर छत्तीसगढ़ में कैडेट रैंक से कैडेट वारंट आफिसर रैंक प्रदान किया गया।

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में स्वतंत्रता दिवस 2015 में आयोजित परेड में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री माननीय डॉ.रमन सिंह जी ने एन.सी.सी. एयर विंग के शानदार प्रदर्शन के कारण उत्कृष्ठ परेड का पुरस्कार प्रदान किया। इस सफल परेड का प्रतिनिधित्व भी कु. मीनल चौहान ने किया। कु.मीनल चौहान श्री शंकराचार्य इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल मेनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी, रायपुर में बी.ई. पांचवें सेमेस्टर में अध्ययनरत है।

आशू, यश और रामकिशन

विद्युत नगर शिक्षा समिति कोरबा (पश्चिम) द्वारा संचालित विद्युत गृह उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक 02 दर्री कोरबा पश्चिम के छात्र आशू साहू कक्षा दसवीं, रामकिशन राज कक्षा बारहवीं एवं यश साहू कक्षा आठवीं में राज्य स्तरीय शालेय खेलकूद प्रतियोगिता जो कि दिनांक 27 सितम्बर से 30 सितम्बर तक कोरबा में बेहतरीन प्रदर्शन कर ताईक्वाण्डो खेल में गोल्ड मेडल प्राप्त किया तथा राष्ट्रीय शालेय खेलकूद प्रतियोगिता जो नवम्बर 2015 पूना में आयोजित होगी, में इन छात्रों का चयन हुआ है। यह विद्यालय एवं विद्युल मण्डल के लिए गौरव की बात है। इन खिलाड़ियों को कार्यपालक निदेशक श्री ओ.सी.कपिला ने सम्मानित किया तथा इस अवसर पर विद्युत नगर शिक्षा समिति के सचिव, मुख्य रसायनज्ञ श्री पी.के.सेलट तथा विद्यालय के प्राचार्य श्री ए.के.मिश्रा ने छात्रों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

बधाई...

आस्था मिश्रा

हिदायतुल्लाह नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी में सुश्री आस्था मिश्रा को बीएएलएलबी की परीक्षा में दो विषयों में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने पर उपराष्ट्रपति द्वारा मुख्य न्यायाधीश सुप्रीम कोर्ट एवं मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ की उपस्थिति में दो स्वर्ण पदक प्रदान किये गये। इसके अतिरिक्त आस्था ने पूरे विश्वविद्यालय में द्वितीय स्थान प्राप्त की। आस्था कार्यपालन अभियंता (सिविल) श्री विमल मिश्रा एवं (आदर्शिनी महिला मंडल की सदस्या) श्रीमती ममता मिश्रा की सुपुत्री है। बधाई...

वैदिका खरे

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी, रायपुर के कार्यपालक निदेशक (संचारण/संधारण) के कार्यालय में पदस्थ कार्यपालन अभियंता श्री सुनील कुमार खरे की सुपुत्री कु. वेदिका खरे ने दिनांक 22 व 23 अगस्त 2015 को नई दिल्ली में आयोजित 11वां अखिल भारतीय स्वतंत्र कप कराते-डू चैंपियनशिप में अंडर 8 आयु वर्ग में रजत पदक प्राप्त कर पॉवर कंपनी का गौरव बढ़ाया है। वेदिका कक्षा तीसरी में श्री शंकरा विद्यालय, सेक्टर-10 भिलाई में अध्ययनरत है। बधाई...

हिंदी दिवस

भारतवासी अगर लड़ेंगे, भाषाओं के नाम।
कष्टों का अंबार लगेगा, बिगड़े बनते काम।।
गर खंडित हो आस्था, विश्वास कहां टिक पाएगा।
आधे मन से कर्म कभी क्या, मंजिल तक पहुंचाएगा।।
गुजरात, महाराष्ट्र या हो वो बंगाल।
तमिलनाडु, केरल या हो आंध्रा बलवान।।
उत्तर, मध्य प्रदेश या हो वो छत्तीसगढ़ राज्य।
बिहार, त्रिपुरा, झारखंड हो सबके लिए समाज।।
कश्मीर, हिमांचल भाग, हो उत्तरांचल खंड।
सबसे उपर ही रहे, हिंदी प्रभाव अखंड।।
पंजाब, हरियाणा या हो दिल्ली का राज।
भाषा राज्य पूजनीय है, सदा रहे सरताज।।
प्यार करो बोली से अपनी पर भाषा का हो सम्मान।
क्षेत्रीयता का भेद भुलाकर, निज भाषा पर हो अभिमान।

श्री एस.के. तिवारी
अनुभाग अधिकारी
कार्या. कार्यपालक निदेशक (उत्पादन)
मड़वा तेंदूभाठा ताप विद्युत परियोजना

।। कुर्यात सदा मंगलम् ।।

जितेश संग तरूणा

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर पारेषण कंपनी के कार्यालय महाप्रबंधक (वित्त) रायपुर में कार्यरत श्री पी.आर.सिन्हा, अनुभाग अधिकारी के सुपुत्र चि. जितेश का शुभ विवाह पेण्ड्रावन (धमधा) निवासी श्री नाथूराम सिन्हा की सुपुत्री सौ.कां. तरूणा के साथ 2 जून, 2015 को रायपुर में सोल्लास सम्पन्न हुआ। बधाई...

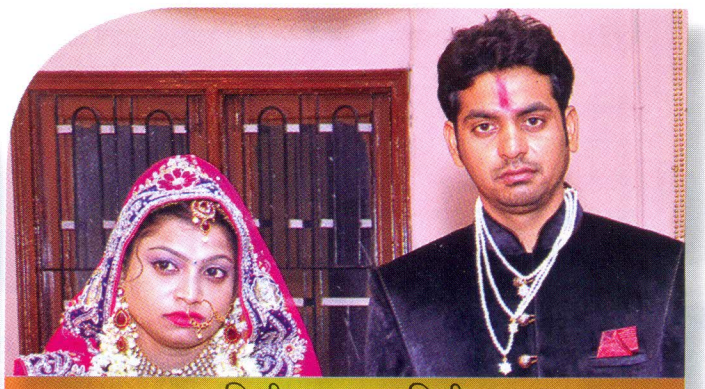

गिरीश संग सुभाषिनी

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर पारेषण कंपनी के कार्यालय महाप्रबंधक (वित्त) रायपुर में कार्यरत श्री पी.आर.सिन्हा, अनुभाग अधिकारी के सुपुत्र चि. गिरीश का शुभ विवाह राजनांदगांव निवासी श्री वासुदेव सिन्हा की सुपुत्री सौ.कां. सुभाषिनी के साथ 4 जून, 2015 को रायपुर में सोल्लास सम्पन्न हुआ। बधाई...

कथनी अउ करनी

जइसन देश के बाहिर के आक्रमणकारी मन ले सैनिक मन हमर रखवारी करथे, वइसने देश के भीतरी आतंकवादी जबरन आगू ले झगड़ा लड़ैया मन से पुलिस हा हमर सुरक्षा करथे, पर जब हम मन चारो मुड़ा ले सुरक्षित हावन, रोजगार हावे, धन धान भरे हे पर जिन्दगी के असली खुशी तो हमर बिजली कर्मचारी मन से हवे। जे मन ह रात-दिन, गर्मी , पानी अऊ अंधेरी रात में घलो थोड़कन लाइन में खराबी आथे तो वतकिच बेर बरसत पानी में रात कुन घलो जा के खंबा में चढ़ के लाइन अऊ ट्रांसफार्मर ला बने करके लाइन चालू करथे।

बिहनिया उठथन तो घर में जो पानी आथे वो हा बिजली से पम्प के रथे। कर्मचारी, किसान अऊ मजदूर मन दिन भर काम करके थके मांदे घर में आथे तो पंखा के हवा में गुरतुर आराम करथे। बिजली के अंजोर मे लइका मन पढ़थे, सियान मन टी.व्ही. ला देखत अपन किसानी अऊ देश दुनिया के गोठ ला सुनथे, रात कुन घर में अपन सनिमा देखत मनोरंजन करथे।

आज हमर जिन्दगी के संवरइया बिजली बर तो हमरो कुछु कर्तव्य होथे। बिजली के बिल ला समय मा पटान, बिजली लाईन अउ ट्रांसफार्मर हमर धन है एखर सुरक्षा करन।

अइसने बेरा में हमर एक किसान घर के लइका है पढ़ लिख के इंजीनियर बनिस। ये हा 30 बछर पाछु के गोठ आय। ऐती-ओती के नौकरी ला छोड़के अपन छत्तीसगढ़ के बिजली विभाग में आईस। हमर छत्तीसगढ़िया भाई बहन के सुख दुख ला हरहूँ। किसान अऊ गरीब मजदूर मन के बिजली समस्या ला निपटाहूँ। अइसन उंखर सोच रहिस।

एक दिन आफिस में फोन आइस के साहब आप मन के लाईन कर्मचारी ह मीटर जाँच के बहाना में महिला मन सन छेड़खानी करथे। सुन के हक्का-बक्का रहिगे। फोन मे ओला समझाइस। का करों हमर कर्मचारी मन ला कतको समझाथों पर वो मन हा, जेकर घर में बिजली मीटर से छेड़खानी होय रथे उखरें घर के लोगन मन से छेड़खानी करथे। अउ कतको दूसर घर जाथे, पर वहां के लोगन से छेड़खानी नई करे। अइसन गोठ ला सुनके शिकायत करइया ह अपन फोन ला रख दिस, तब ले वइसन फोन आना बंद होगे।

अपन कर्मचारी मन के बैठका बुलाके ओहर समझाइस, अरे काकरो घर मीटर जाँच, रीडिंग ले बर जाथो तो सियान माता राम दिखे तो ओला जोहार करथों दाई या फे र पाय लागो दाई अइसन कहाव व मोटियारी दिखे तो ओला जोहार बहनी अइसन कहाव तो कभू वो घर के मइनखे ह तुम्हर गलत शिकायत करही तो माइलोगन मन ऊंकर साथ नइ दिही।

एक दिन एक झन पान वाला आइस, काबर के ओकर बिजली के बकाया राशि ह अब्बड़ होगे, तेला वो ह पटान नइ सकिस तो बिजली लाईन ला कर्मचारी मन काट दिस। वो ह कहिस, साहब हमर बाप-दादा के बिजली कनेक्शन के ऊंखरे बकाया राशि आय अब तो वो मन हा दुनिया मे नइ हे, हमर रोजी रोटी भी ज्यादा नइ चले कइसन पटाबो। साहब ह समझाइस देख तोर बाप दादा के घर खेत मन काकर आये, वो ह कहिस मोर आये, तब साहब कहिस जब ते उंखर जायजाद ला मोर आय कथस तो उंखर कर्जा ला पटाय के तोर काम नो हे का ? मे ह बकाया राशि के अधिकार क्षेत्र के तीन किस्त कर देथों, ते ह ओला पटा दे। देखत-देखत में पूरा बकाया राशि पटगे।

एक झन सन्यासी महराज रहाय जो ह प्रवचन बगैरह करे प्रवचन के पंडाल में समिति वाला मन रात में हुक डार के चोरी के बिजली से काम चलाय। साहब ला पता चलिस तो अपन कनिष्ठ यंत्री अऊ लाइन स्टाफ संग उंखर प्रवचन स्थल पहुचिस सन्यासी जी ला सुनाय सरिख अपन कनिष्ठ यंत्री ल कहिस कि अइसन चोरी के बिजली वाला पण्डाल में प्रवचन ला सुने मे पाप लगही, तेकर ले कुछ उपाय करथन। सन्यासी तो कनेक्शन के नाम से राशि जमा करे बर मना कर दिस, समिति के सदस्य मन कहिस ये तो जनहित आये। साहब ह उंखरे आगू मे अपन जेब ले 1000 रू. निकालिस अऊ कनिष्ठ यंत्री ले 1000 रू. निकलवाइस तथा आसपास के दाउ मन ला चंदा मांग के समिति के नाम से राशि जमाकर अस्थायी कनेक्शन लगा दिस।

अब सब गांव वाला मन साफ सुन्दर बगैर चोरी के बिजली वाला माइक ले प्रवचन सुनहि। एक हजार के बदला में एक करोड़ के पुण्य लाभ एक यज्ञ के बरोबर हमनला घलो मिलही कहिके अपन कर्मचारी मनला समझाइस।

वइसने एक बड़े दाउ किसान घर चोरी के बिजली में बिहाव होथ रहिय। साहब ह अपन कर्मचारी मन संग वहां गिस। दाउजी ला समझाइस कि जब चोरी के बिजली ले बिहाव जैसे जीवन के संस्कार होही तो दुल्हा-दुल्हन के लइका तो पैदाइसी चोरहा होहिच। दाउजी शरम के पानी-पानी होगे, जुर्माना सहित राशि पटाइस साथ में अपन गांव में सबला समझाइस कि कोई गांव वाला मन चोरी के बिजली में मंडप ला नइ सजाही।

जेह सक्षम नही है तो पूरा गांव वाला मन दस-दस रू. चंदा कर ऊंखर पंडाल में बिजली के अस्थाई कनेक्शन लेके रोशनी करबो। उही ह दुल्हा-दुल्हन के टिकावन/आशीष आय समझबो। ये हा लबारी नोहे सिरतोन आय। हमर सोच ला बदलबो तो देश अउ समाज के उन्नति होही। छत्तीसगढ़ के बिजली व्यवस्था हा पूरा भारत देश में नाम कमाहीं।

डब्ल्यू. आर. वानखेड़े
मुख्य अभियंता (रा.भा.प्रे.)
छ.रा.वि.पारेषण कंपनी मर्या.
रायपुर

प्रमाणित किया जाता है कि पत्रिका के मेक, मुद्रण / प्रकाशन आदि गुणवत्ता एवं पत्रिका के अंदर के पृष्ठों में 90 जीएसएम आर्ट पेपर (सिनारमास) और कवर पृष्ठों में 220 जीएसएम आर्ट पेपर (सिनारमास) का उपयोग किया गया है. - मुद्रक

मयंक ऑफसेट प्रिंटर्स कंकालीपारा, रायपुर • 98271-76089, 97527-11101

आकाश के परिन्दे, घोसला के बासिन्दे
सद्भाव-अनुशासन अनुपम-मिशाल बिहंगे

न मन्दिर की परिभाषा जानते,
न मस्जिद की
न मन्दिर जानते, न मस्जिद
मगर कभी मन्दिर में जा बैठे
कभी मस्जिद में जा बैठे
मन्दिर से भी प्यार, मस्जिद से भी प्यार
न हिन्दू की पहचान, न मुस्लिम की
न मुस्लिम से बैर, न हिन्दू से
मगर हिन्दू से भी प्यार, मुस्लिम से भी प्यार
आकाश के परिन्दे, घोसला के बासिन्दे
सद्भाव - अनुशासन अनुपम-मिशाल बिहंगे।
इनने न कभी पानीपत का युद्ध लड़ा
न प्लासी का
न हल्दीघाटी का
इनके पास न गोली
न बम
न बन्दूक,
इनकी चोंच ही इनका औजार है
जिससे तिनका-तिनका जोड़कर
अपना घोसला बनाते हैं -
छोटा सुन्दर उपयोगी घोषला
मगर इस घोसले को जब भी कभी हमने नष्ट कर
दिया
इनने हमारे विरुद्ध एफआई आर दर्ज नहीं की -
बल्कि जुट गये
अपना एक नया घोसला बनाने में
इनके पास साधन है -
सिर्फऔर सिर्फएक चोंच
न कारीगर न मजदूर
आकाश के परिन्दे, घोसला के बासिन्दे
सद्भाव - अनुशासन अनुपम-मिशाल बिहंगे।
ये आत्मनिर्भरता की मिशाल हैं
सुबह सूरज के साथ उठते हैं
सूरज के साथ पुद्भकना
चहचहाना
नृत्य करना
भोजन की तलाश में जुटे रहना
और सूरज डूबने के साथ सो जाना
यही उनकी दिनचर्या है
न बिजली का उपयोग
न बिस्तर का
इनके लिए कोई अस्पताल भी नहीं है
न दवा की दुकान
न डॉक्टर
न कार
न सड़क सुविधा
न मोबाइल
कभी पाठशाला भी नहीं गये
न कोई डिग्री न ज्ञान
फ़िर भी अपना सारा काम
समय के अनुशासन में
ये सच में समय के पुजारी हैं
ठण्ड हो या बरसात
ईद हो या दिवाली
दिसम्बर हो या सितम्बर
कभी छुट्टी नहीं मनाते
सुबह उठते हैं
बांग देकर दूसरों को उठाते हैं
आकाश के परिन्दे, घोसला के बासिन्दे
सदभाव - अनुशासन अनुपम-मिशाल बिहंगे।
इनकी कोई जाति भी नहीं
न किसी देश के निवासी हैं
फिर भी जैसा भारत में रहते
वैसा ही पाकिस्तान समझते
कोयल की मिठास उतनी ही है
चाहे भारत हो या पाकिस्तान
सारा आकाश ही इनका साम्राज्य है
फ़िर भी आधिपत्य तो
अपने घोसले पर भी नहीं
आकाश के परिन्दे, घोसला के बासिन्दे
सदभाव - अनुशासन अनुपम-मिशाल बिहंगे।
ये हड़ताल या भूख हड़ताल
या भारत बंद भी नहीं करते
और सबसे सुन्दर
ये कभी आत्महत्या नहीं करते
इनके लिए सुख दुख एक समान
एक ही सद्भाव में
अपनी जिन्दगी जीते हैं
जिन्दगी ईश्वर की अनमोल धरोहर है
और ये इसे अनमोल बना के जीते हैं
आकाश के परिन्दे, घोसला के बासिन्दे
सद्भाव - अनुशासन अनुपम-मिशाल बिहंगे।

रामायण नामदेव (कार्यपालन अभियंता)
कार्या. मुख्य अभियंता (ईआईटीसी) छ.रा.वि.वि.कं., रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत होल्डिंग कंपनी मर्या. डंगनिया, रायपुर, फोन : 0771-2574702, फैक्स : 0771-2574702, website - www.cseb.gov.in